▪ श्रावण शुक्ल - 7 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 31 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 23-08-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'आप' के लिए मप्र में होगी गुजरात की चुनावी पराजय की पुनरावृत्ति : विजयवर्गीय

6 कर्नाटक में ऑपरेशन कमल के सामने ऑपरेशन पंजा

7 भगवान हनुमान को अपना सुपरहीरो मानती है अदा शर्मा

इतिहास रचने को तैयार चंद्रयान-3

लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल के आज शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सॉफ्ट लैंडिंग करने की उम्मीद है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के महत्वाकांक्षी तीसरे चंद्र मिशन के तहत चंद्रयान-3 का लैंडर मॉड्यूल (एलएम) बुधवार शाम को चंद्रमा की सतह पर उतरने को तैयार है। ऐसा होने पर भारत पृथ्वी के एकमात्र प्राकृतिक उपग्रह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला दुनिया का पहला देश बनकर इतिहास रच देगा। लैंडर (विक्रम) और रोवर (प्रज्ञान) से युक्त लैंडर मॉड्यूल के बुधवार को शाम छह बजकर चार मिनट पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सॉफ्ट लैंडिंग करने की उम्मीद है। यदि चंद्रयान-3 मिशन चंद्रमा पर उतरने और चार साल में इसरो की दूसरी कोशिश में एक रोबोटिक चंद्र रोवर को उतारने में सफल रहता है तो भारत अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ के बाद चंद्रमा की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला दुनिया का चौथा देश बन जाएगा। चंद्रमा की सतह पर अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन 'सॉफ्ट लैंडिंग' कर चुके हैं, लेकिन उनकी 'सॉफ्ट लैंडिंग' चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर नहीं हुई है।

चंद्रयान-3 चंद्रयान-2 के बाद का मिशन है और इसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित एवं सॉफ्ट-लैंडिंग को प्रदर्शित करना, चंद्रमा पर विचरण करना और यथास्थान वैज्ञानिक प्रयोग करना है।

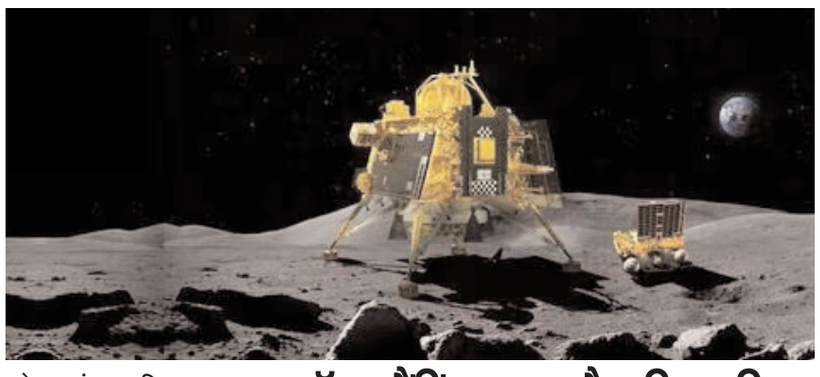

सॉफ्ट लैंडिंग करना है जटिल प्रक्रिया

सॉफ्ट-लैंडिंग की महत्वपूर्ण प्रक्रिया को इसरो अधिकारियों सहित कई लोगों ने '17 मिनट का खौफ' करार दिया है। लैंडिंग की पूरी प्रक्रिया स्वायत्त होगी। इसके तहत लैंडर को अपने इंजन को सही समय और उचित ऊंचाई पर चालू करना होगा। उसे सही मात्रा में ईंधन का उपयोग करना होगा। नीचे उतरने से पहले यह पता लगाना होगा कि किसी प्रकार की बाधा या पहाड़ी क्षेत्र या गड्ढा नहीं हो। सभी मापदंडों की जांच करने और लैंडिंग का निर्णय लेने के बाद इसरो बेंगलूरु के निकट बयालालू में अपने भारतीय गहन अंतरिक्ष नेटवर्क (आईडीएसएन) से निर्धारित समय पर लैंडिंग से कुछ घंटे पहले सभी आवश्यक कमांड एलएम पर अपलोड करेगा। चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल और प्रपल्सन मॉड्यूल 14 जुलाई को मिशन की शुरुआत होने के 35 दिन बाद सफलतापूर्वक अलग हो गए थे। चंद्रयान-3 ने 14 जुलाई को प्रक्षेपण के बाद पांच अगस्त को चांद की कक्षा में प्रवेश किया था। प्रपल्सन और लैंडर मॉड्यूल को अलग करने की कवायद से पहले इसे छह, नौ, 14 और 16 अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में नीचे लाने की कवायद की गई थी ताकि यह चंद्रमा की सतह के नजदीक आ सके। अब 23 अगस्त को चांद पर इसकी 'सॉफ्ट लैंडिंग' कराने का प्रयास किया जाएगा।

14 जुलाई को भारत ने लॉन्च किया था चंद्रयान-3 मिशन

भारत ने 14 जुलाई को 'लॉन्च व्हीकल मार्क-3' (एलवीएम3) रॉकेट के जरिये 600 करोड़ रुपये की लागत वाले अपने तीसरे लूनर मिशन-चंद्रयान-3 का प्रक्षेपण किया था। इस अभियान के तहत यान 41 दिन की अपनी यात्रा में चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का एक बार फिर प्रयास करेगा जहां अभी तक कोई देश नहीं पहुंच पाया है।

चंद्रयान-3 की निर्धारित 'सॉफ्ट लैंडिंग' से कुछ ही दिन पहले चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने की दौड़ में रूस उस वक्त पीछे छूट गया, जब उसका रोबोट लैंडर चंद्रमा की सतह पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी लैंडर लूना-25 अनियंत्रित कक्षा में जाने के बाद चंद्रमा पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।

इसरो ने 20 अगस्त को कहा था कि उसने चंद्रयान-3 मिशन के एलएम को कक्षा में थोड़ा और नीचे सफलतापूर्वक पहुंचा दिया। उसने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा था, 'दूसरे और अंतिम डीबूस्टिंग (धीमा करने की प्रक्रिया) अभियान में लैंडर मॉड्यूल सफलतापूर्वक कक्षा में और नीचे आ गया है।

चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में अब तक कोई नहीं उतरा

चार साल में चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में उतरने की यह इसरो की दूसरी कोशिश है। अगर उसे बुधवार को इसमें सफलता मिलती है तो वह इतिहास रच देगा। अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ के बाद चांद की सतह पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा।

चांद की सतह पर बेशक अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन 'सॉफ्ट लैंडिंग' कर चुके हैं। लेकिन, उनकी 'सॉफ्ट लैंडिंग' चांद के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र पर नहीं हुई है। ऐसा करने वाला वह दुनिया का पहला देश होगा। चंद्रयान-3 चंद्रयान-2 के बाद का मिशन है। इसका मकसद चांद की सतह पर सुरक्षित सॉफ्ट-लैंडिंग को दिखाना, चांद पर घूमना और वैज्ञानिक प्रयोग करना है।

चंद्रयान-2 मिशन में इसरो को विफलता हाथ लगी थी।

सात सितंबर, 2019 को चांद पर उतरने की प्रक्रिया के दौरान उसका लैंडर 'विक्रम' ब्रेक संबंधी प्रणाली में गड़बड़ी होने के कारण चांद की सतह से टकरा गया था। भारत के पहले लूनर मिशन चंद्रयान-1 को 2008 में प्रक्षेपित किया गया था।

तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहा चंद्रयान-3 मिशन : इसरो

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान-3 के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के तय समय से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि यहां इसरो 'टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और कमांड नेटवर्क' (आईएसटीआरएसी) में स्थित 'मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स' में उत्साह का माहौल है।

फर्स्ट टेक

स्वतंत्रता सेनानी मकर सी दास का 99 साल की उम्र में निधन

भुवनेश्वर/भाषा। स्वतंत्रता सेनानी मकर चरण दास का मंगलवार को कटक के एक अस्पताल में निधन हो गया। पारिवारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उन्हें उम्र संबंधी बीमारियों को लेकर कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां आज सुबह छह बजकर 40 मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। वह 99 साल के थे। दास केंद्रपाड़ा के रहने वाले थे। वह ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुए थे एवं जेल गए थे। ओडिशा के राज्यपाल गणेशी लाल, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक, सहकारिता मंत्री एस नायक और कई अन्य गणमान्य लोगों ने दास के निधन पर शोक प्रकट किया है एवं शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

अमेरिकी अदालत ने राणा के प्रत्यर्पण पर फिलहाल रोक लगाई

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका की अदालत ने देश के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन की अपील खारिज करते हुए पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसाई तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण पर फिलहाल रोक लगाने का आदेश दिया है। राणा मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमले में शामिल होने के मामले में भारत में मुकदमे का सामना कर रहा है। राणा (62) ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट' में अपील की है, जिसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका को खारिज कर दिया गया था। सेंट्रल कैलिफोर्निया में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के जिला न्यायाधीश डेल एस. फिशर ने अपने हालिया आदेश में कहा कि राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के अनुरोध वाले उसके एक पक्षीय आवेदन को मंजूरी दी जाती है।

इंदौर को मिली राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी सम्मेलन की मेजबानी

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में 27 सितंबर से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी सम्मेलन का उद्घाटन करेंगी। इंदौर के लोकसभा सांसद शंकर लालवानी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। लालवानी ने बताया कि इस सम्मेलन में देश के 100 स्मार्ट शहरों के करीब 2,000 प्रतिनिधि शामिल होकर स्मार्ट सिटी परियोजना के नवाचार साझा करेंगे। लालवानी, शहरी विकास पर संसद की स्थाई समिति के सदस्य भी हैं। उन्होंने संवाददाताओं को बताया, ''मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मार्च में पत्र लिखकर गुजारिश की थी कि राष्ट्रीय स्मार्ट सिटी सम्मेलन की मेजबानी इंदौर को सौंपी जानी चाहिए।

23-08-2023	24-08-2023
सूर्यास्त 6:25 बजे	सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
65,220.03	19,396.45
(+3.94)	(+2.85)

सोना	चांदी
6,127 रु.	76,200 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चांद के पार चलो

इसरो ने किया इशारा यह,
आने वाला कल है अपना।
छोड़ो दकियानूसी बातें,
थोथी जड़ताओं को जपना।
ऋषियों की हम वो संतानें,
जिनको आता हरदम तपना।
अब खुली आंख से जग देखे,
साकार हुआ कैसे सपना।।

पहले गेम में प्रज्ञानानंद, कार्लसन ने खेला ड्रॉ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाकू/वार्ता। युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर रमेशबाबू प्रज्ञानंद ने फिडे विश्व कप फाइनल के पहले गेम में मंगलवार को पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को ड्रॉ पर रोक लिया।

सफेद मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानंद के पास कम समय बचा था लेकिन 35 चालों के बाद दोनों खिलाड़ियों की आपसी सहमति से मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

भारत के 18 वर्षीय ग्रैंडमास्टर अब बुधवार को काले मोहरों से खेलेंगे और दूसरा गेम ड्रॉ होने पर विजेता का फैसला रैपिड टाईब्रेकर से किया जायेगा।

गौरतलब है कि प्रज्ञानंद सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी फाबियानो करुआना को हराकर फाइनल में आ रहे हैं। उन्होंने हमवतन अर्जुन एरिगैसी और दुनिया के नंबर तीन खिलाड़ी हिकारू नाकामूरा को भी इस नॉकआउट टूर्नामेंट में कड़ी शिकस्त दी थी। करुआना पर दर्ज की गयी जीत के साथ प्रज्ञानंद ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भी अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रज्ञानंद ने बुधवार के गेम पर कहा, (कल) कड़ा संघर्ष होगा। वह (कार्लसन) निश्चित ही बहुत जोर लगायेंगे। मैं आराम करने और तरोताजा रहने की कोशिश करूंगा। मुझे लगता है कि मैं यही कर सकता हूं। कार्लसन ने कहा, आम तौर पर आराम का दिन होने पर मुझे शायद थोड़ा फायदा होता जबकि कल वह एक कठिन टाईब्रेक खेलकर आ रहा है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मैं काफी खराब स्थिति में हूं। (निजात) अबासोव के विरुद्ध मुकाबले के बाद मुझे कुछ खाद्य विषाक्तता हो गयी। मैं पिछले दो दिनों से खाना नहीं खा पाया हूं।

एनईपी पर शिवकुमार के बयान की प्रधान ने आलोचना की

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भविष्योन्मुखी दस्तावेज बताया

नई दिल्ली/भाषा। कर्नाटक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को निरस्त करने संबंधी राज्य के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बयान की आलोचना करते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि नई शिक्षा नीति कोई राजनीतिक दस्तावेज नहीं बल्कि भविष्योन्मुखी दार्शनिक दस्तावेज है जिसे शिक्षाविदों ने 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया है।

प्रधान ने संवाददाताओं से कहा, ''कल कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने एक बयान दिया कि वह अपने राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को निरस्त कर देंगे। मैं कहना चाहता हूं कि इस संबंध में आपके (शिवकुमार) तथ्य गलत है, आपका बयान नुकसानदायक और प्रतिगामी है।'' उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति वर्ष 2020 से लागू है और इसे शिक्षाविदों ने 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार किया है। प्रधान ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति कोई राजनीतिक दस्तावेज नहीं है बल्कि यह भविष्योन्मुखी दार्शनिक दस्तावेज है।

सरकार ने सीबीआई के डीआईजी और दो पुलिस अधीक्षकों का कार्यकाल बढ़ाया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो में उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मोहित गुप्ता का कार्यकाल मंगलवार को अगले साल सितंबर तक बढ़ा दिया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई। गुप्ता उत्तर प्रदेश काडर के 2006 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं।

कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश में बताया गया कि सक्षम प्राधिकारी ने सीबीआई के डीआईजी के रूप में गुप्ता के कार्यकाल को चार सितंबर, 2023 से तीन सितंबर 2024 तक एक साल का विस्तार देने को मंजूरी दी है।

पुलिस अधीक्षकों (एसपी) रघुरामराजन ए और विद्युत विकास का कार्यकाल भी बढ़ा दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि नगालैंड काडर के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी रघुरामराजन को 16 सितंबर, 2023 से 15 सितंबर, 2025 तक सीबीआई के एसपी के रूप में दो साल का विस्तार दिया गया है। इसमें कहा गया है कि भारतीय राजस्व सेवा (सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क) के 2008 बैच के अधिकारी विकास का कार्यकाल एक सितंबर, 2023 से 19 फरवरी, 2024 तक बढ़ाया गया है।

वर्तमान चुनौतियों के मद्देनजर नए कानून लाए जाने की ज़रूरत : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर/वार्ता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि वर्तमान चुनौतियों के मद्देनजर एवं देश को विकास और समृद्धि के पथ पर ले जाने के लिए समय की प्रासंगिकता और आवश्यकताओं के अनुरूप अप्रचलित कानूनों के स्थान पर नए कानून लाये जाने की ज़रूरत है।

बिरला नौवें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन के समापन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम कानूनों में आवश्यक परिवर्तन करके, पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था के साथ लोगों के जीवन में सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन करते हुए विकसित भारत की ओर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन सफल रहा और सम्मेलन में हुए विचार-विमर्श से विधानमंडलों के समक्ष प्रस्तुत वर्तमान और भावी चुनौतियों के समाधान में बहुत मदद मिलेगी।

बिरला ने कहा कि बदलते परिप्रेक्ष्य में हमें अपनी संस्थाओं के अंदर विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करना चाहिए ताकि हमारी संस्थाएं प्रभावी परिणाम ला सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रमुख वैश्विक चुनौतियों का समाधान भारत से निकले।

रक्षा जासूसी मामले में कनाडा का कारोबारी राहुल गंगल गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने रक्षा जासूसी मामले के संबंध में कनाडा के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इस मामले में एक पत्रकार और एक पूर्व नौसेना कमांडर को मई में गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कनाडा में 2019 में स्थाई निवासी बन चुके कारोबारी राहुल गंगल को सोमवार को यहां पहुंचने पर गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि एक विशेष अदालत ने उन्हें सीबीआई की चार दिन की हिरासत में भेज दिया है।

गडकरी ने पेश किया भारत का पहला दुर्घटना परीक्षण कार्यक्रम

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को देश का पहला दुर्घटना परीक्षण कार्यक्रम 'भारत एनसीएपी' पेश किया। इसका मकसद 3.5 टन तक के मोटर वाहनों के सड़क सुरक्षा मानकों में सुधार करना है।

सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि यह ऑटोमोबाइल उद्योग और समाज के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है क्योंकि इससे वाहनों की सुरक्षा सुविधाओं में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि भारत एनसीएपी (न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) तंत्र को सभी हितधारकों के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित तरीके से तैयार किया गया है।

गडकरी ने कहा कि देश दो चुनौतियों सड़क दुर्घटना और वायु प्रदूषण का सामना कर रहा है। भारत में हर साल करीब पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं और इन दुर्घटनाओं के कारण करीब 1.5 लाख लोगों की जान जाती है।

पूरी दुनिया की वृद्धि का इंजन बनेगा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत आने वाले वर्षों में पूरी दुनिया की वृद्धि का इंजन बनेगा। मोदी ने मंगलवार को कहा कि उनकी सरकार ने 'मिशन' के रूप में सुधारों को आगे बढ़ाया है जिससे देश में कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर हुई है। मोदी ने यहां ब्रिक्स 'बिजनेस फोरम लीडर्स डायलॉग' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत जल्द ही पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा। उन्होंने कहा कि भारत के पास दुनिया की तीसरी बड़ी स्टार्टअप पारिस्थितिकी है और यहां पर 100 से भी अधिक यूनिकॉर्न मौजूद हैं। एक अरब डॉलर से अधिक राजस्व वाले स्टार्टअप यूनिकॉर्न की श्रेणी में आते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी इस समय ब्रिक्स समूह के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की यात्रा पर हैं। ब्राजील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता वाले समूह ब्रिक्स का यह वर्ष 2019 के बाद पहला ऐसा सम्मेलन है जिसमें सभी नेता व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रहे हैं। वर्ष 2020 के समय से कोविड-19 महामारी के कारण ब्रिक्स सम्मेलन का आयोजन ऑनलाइन हो रहा था।

राजपुरोहित संघ की संस्कारशाला के बच्चों को किट वितरण किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बेंगलूरु राजपुरोहित संघ के तत्वावधान में हर सप्ताह के शनिवार व रविवार को बाल संस्कार शाला का आयोजन बलेपेट स्थित खेतेश्वर भवन में किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों में अच्छे संस्कार,संस्कृति, धर्म की शिक्षा देना है। इस संस्कारशाला में काशी से आए विशेष आचार्यो द्वारा बच्चों को शिक्षा दी जाती है।

रविवार को खेतेश्वर भवन में बाल संस्कार शाला में पढ़ने वाले सभी बालक-बालिकओं को पाठशाला संबंधित किट वितरित की गई। किट में ड्रेस, तिलक, माला, आसन तथा गुरुकुल से संबंधित विभिन्न पाठ्य सामग्री शामिल थी। संघ के अध्यक्ष चम्पालाल राजपुरोहित ने कहा कि कि आज शहरी संस्कृति में बाल संस्कार शाला की आवश्यकता महत्वपूर्ण है। बच्चों में संस्कार रुपी बीजारोपण शुरु में ही कर दिया जाए तो बच्चे आगे चलकर जीवन में जरुर कामयाब होंगे। काशी से आए आचार्य ने कहा कि बच्चों में सर्वप्रथम संस्कार उनके माता-पिता सेआते है। अगर वे सुसंस्कृत है तो बच्चे भी संस्कारवान होंगे। संघ के सचिव भीमराज पुरोहित ने बताया कि बच्चे ही समाज का भविष्य होते हैं। आज बच्चे संस्कार से दूर जा रहे है, उनके शिक्षा तथा संस्कार की आज के भौतिकतावादी समय में नितांत आवश्यकता है। इस अवसर पर संघ के सभी पदाधिकारीगण उपस्थित थे तथा सदस्यों ने बच्चों को किट का वितरण किया।

पार्श्वनाथ का नाम मंत्र, मूर्ति यंत्र और पूजन तंत्र समान : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। यहां शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी के सान्निध्य में तेइसवें तीर्थंकर श्री पार्श्वनाथजी के एक सौ आठ तीर्थों की भाव यात्रा के प्रथम दिन सत्ताइस तीर्थों की भाव यात्रा की गई। आचार्यश्री ने भाव यात्रा के मध्य विवेचन में कहा कि जिनका नाम स्वयं मंत्र है, जिनकी मूर्ति स्वयं यंत्र है और जिनका पूजन स्वयं तंत्र है, ऐसे इस कलिकाल के कल्पवृक्ष समान पार्श्वनाथ दादा के चमत्कार अपरंपार है। इनके दर्शन से व्यक्ति को मानसिक शांति मिलती है। पुण्य प्रभाव बढ़ता है। पाश्वनाथजी के दर्शन-पूजन अर्चन से मनुष्य को सर्व दोष नष्ट होते हैं। पार्श्वनाथ भगवान के नाम में शुभभावों को आंदोलित करने करनेवाले स्पंदन बिखरे हुए है और उनके उस तीर्थ धाम की भूमि में भी वही शुभ परमाणु बिखरे हुए हैं। पार्श्वनाथ भगवान के स्मरण मात्र से भाविकों के इच्छित कार्य सिद्ध होते हैं, उनके नाम से विषधरों का विष अमृत बन जाता है और जिनके पूजन से पापियों के पाप-ताप शांत हो जाते है। इस भावयात्रा का लाभ शांतिलाल घेवरचंद कोठारी परिवार ने लिया।

जीएसटी के कारण सरकार को राजस्व का नुकसान : विवेक देबरॉय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (पीएमईएसी) के चेयरमैन विवेक देबरॉय ने मंगलवार को कहा कि सरकार को जीएसटी के कारण राजस्व का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसे एकल दर के साथ 'राजस्व तटस्थ' होना चाहिए। उद्योग मंडल कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जीएसटी से चीजें काफी सुगम हुई हैं।

देबरॉय ने कहा, आदर्श जीएसटी वह है जिसमें एक ही दर हो और इसका उद्देश्य राजस्व तटस्थ होना था। जब जीएसटी पहली बार लागू किया गया था, तब वित्त मंत्रालय ने कुछ आकलन किया था। उसके तहत राजस्व के लिहाज से तटस्थ होने के लिए औसत दर कम से कम 17 प्रतिशत होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा, लेकिन मौजूदा दर 11.4 प्रतिशत है। जीएसटी की वजह से सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि जनता के साथ-साथ जीएसटी परिषद के सदस्य भी चाहते हैं कि 28 प्रतिशत कर की दर कम हो। लेकिन कोई भी नहीं चाहता कि शून्य और तीन प्रतिशत कर की दरें बढ़ें। उन्होंने 'मजबूत और आत्मनिर्भर भारत पर विशेष सत्र' में कहा, इस तरह, हमारे पास कभी भी सरलीकृत जीएसटी नहीं होगा। देबरॉय ने कहा कि जीएसटी प्रावधानों का 'बहुत दुरुपयोग' हो रहा है। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया। प्रत्यक्ष कर के बारे में उन्होंने कहा कि कर सुधारों का अंतिम लक्ष्य सभी प्रकार की छूटों को पूरी तरह से समाप्त करना होना चाहिए।

देबरॉय ने कहा कि कोई भी छूट जीवन को अधिक जटिल बनाती है, अनुपालन लागत बढ़ाती है और मुकदमेबाजी को बढ़ावा देती है।

'पवित्रता एवं करुणा का संगम है नेमिनाथ भगवान का जीवन'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी की निश्रा में 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का दीक्षा कल्याणक मनाया गया। साध्वीश्री ने कहा कि नेमिनाथ भगवान का जीवन पवित्रता एवं करुणा का एक ज्वलंत उदाहरण है। विवाह करने के लिए तोरण तक पहुंचने के बाद भी निर्दोष पशुओं की पुकार सुनकर उन्होंने अपना जीवन गिरनार की ओर मोड़ दिया। पशुओं की रक्षा करने के लिए स्वयं के सुख का बलिदान दे दिया।आज ऐसे करुणामूर्ति भगवान के दीक्षा दिवस पर हम इतना संकल्प तो जरूर कर सकते हैं कि हमारे स्वार्थ के लिए हम निर्दोष स निरपराध जीवों की की हिंसा नहीं करेंगे। प्रभु नेमिनाथ के दीक्षा दिवस को मनाने की सही पद्धति यही होगी। बुधवार को प्रभु जी के दीक्षा दिवस निमित्त विविध मंत्रोचार के साथ अभिषेक महोत्सव एवं शाम को संध्या भक्ति का आयोजन किया गया।

'भावपूर्ण हृदय से प्रार्थना करते हैं तो प्रार्थना में प्राण आते हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि भावपूर्ण हृदय से प्रार्थना करते है तो प्रार्थना में प्राण आते है। उवसग्गहरं स्तोत्र प्रभावशाली स्तोत्र है, जिसके रचयिता आचार्यश्री भद्रबाहु स्वामी है। इस स्तोत्र में 23वें तीर्थकर श्री पार्श्वनाथ प्रभुका गुणगान किया है। यह स्तोत्र संघ के संकटों को दूर करने वाला, विघ्न निवारक, संकटों को टालने वाला है। मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा ने कहा कि हम जहां पर भी जाते है वहां हमें दो चीज अच्छी लगती है एक विशालता और दूसरी स्वच्छता। परमात्मा की हृदय पूजा करते वक्त स्वच्छ हृदय से पूजा करनी चाहिए।

'साधना द्वारा दीर्घकालीन आत्मकल्याण की कोशिश जरुरी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि सभी पापों के मूल में राग-द्वेष है। सभी प्रकार के पाप, विचार, प्रवृत्ति, शब्द सबको पाप बनाने वाला राग-द्वेष है। अगर राग-द्वेष नहीं तो असत्य वचन, हिंसा, चोरी भी पाप रूप नहीं बनती है। अगर राग-द्वेष को नियंत्रित किया जा सकता है तो कोई भी परिस्थिति या प्रसंग संक्लेश पैदा कर नहीं सकती। संक्लेश और समाधि हमारे विचारों पर निर्भर है। हमारे मन के सिंहासन पर अनादि काल से मोह राजा का शासन चल रहा है और हम तहत्ति कहतें रहें और दुर्गति में भटकतें रहें। अनादि काल से दिल और दिमाग मोह वासित है लेकिन अब जिन वचन वासित मन का निर्माण करना है। मोह राजा दुनिया में सब से अलर्ट है। विचार आया और समझो पाप हो गया। मोह राजा की प्रेरणा के सामने जिन वचन शस्त्र है। मात्र जिन वचनों की पहचान नहीं, उपयोग होना चाहिए। हमारे मन के सिस्टम में मोह राजा की गलत प्रोग्रामिंग को डिलीट कर, जिन वचन की सही प्रोग्रामिंग को फीड करनी है। आत्मा के एक-एक प्रदेश को जिन वचन वासित हो जाना चाहिए। हमें साधना द्वारा मात्र पुण्य उपार्जन नहीं करना है, लेकिन दीर्घ कालीन आत्मकल्याण की कोशिश करनी है।

स्वाति मालीवाल ने अस्पताल में धरना खत्म किया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सेंट स्टीफंस अस्पताल में अपना धरना मंगलवार को खत्म कर दिया, जहां वह सोमवार को उस नाबालिग लड़की से मिलने पहुंची थीं, जिसके साथ दिल्ली सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया था। मालीवाल यह दावा करते हुए सोमवार सुबह धरने पर बैठ गई थीं कि उन्हें पीड़िता से मिलने से रोका जा रहा है। वह मंगलवार दोपहर अस्पताल से चली गईं और पीड़िता से मुलाकात नहीं कर सकीं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पीड़िता की मां किसी से मिलना नहीं चाहती, क्योंकि उसकी बेटी अस्पताल में अभी भी निगरानी में है। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग में उप निदेशक प्रेमोदय खाखा ने नवंबर 2020 से जनवरी 2021 के बीच लड़की के साथ कथित तौर पर कई बार बलात्कार किया, जिससे वह गर्भवती हो गई। पुलिस के अनुसार, खाखा की पत्नी सीमा रानी ने पीड़िता को कथित तौर पर गर्भ गिराने की दवा दी। खाखा और सीमा रानी को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया था।

किसानों के हित में सरकार महाराष्ट्र, मप्र में 2,410 रु. प्रति क्विंटल पर खरीद रही है प्याज : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक विरोधी प्याज पर लगाए गए निर्यात शुल्क को लेकर गलत तस्वीर पेश कर रहे हैं। उन्होंने किसानों से चिंता न करने का आग्रह करते हुए कहा कि सरकार ने 'बफर स्टॉक' के लिए 2,410 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्याज की खरीद फिर शुरू कर दी है।

सरकार ने कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका के बीच घरेलू उपलब्धता बढ़ाने के लिए 19 अगस्त को प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था। यह निर्यात शुल्क 31 दिसंबर 2023 तक प्याज पर जारी रहेगा। इसके साथ ही केंद्र ने किसानों से दो लाख टन अतिरिक्त प्याज खरीदने का भी फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सरकार 'बफर स्टॉक' का आकार बढ़ाएगी और जरूरत पड़ने पर किसानों से अधिक खरीद करेगी। वाणिज्य व उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने पत्रकारों से कहा कि प्याज पर निर्यात शुल्क लगाने के साथ ही सरकार ने 'बफर स्टॉक' के लिए किसानों से अतिरिक्त दो लाख टन प्याज खरीदने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक दर है और किसानों को आम तौर पर निर्यात से मिलने वाले औसत 1,800-1,900 रुपए प्रति क्विंटल से काफी अधिक है। गोयल ने कहा, कुछ राजनीतिक विरोधी (निर्यात पर अंकुश के बारे में) गलत तस्वीर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं प्याज का उत्पादन करने वाले राज्यों के सभी किसानों से आग्रह करूंगा कि वे चिंता न करें और घबराहट में बिक्री न करें। एनसीसीएफ और एनएएफईडी को किसानों से प्याज खरीदने का निर्देश दिया गया है।

सहकारी समितियां नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनसीसीएफ) और नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (नेफेड) महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में प्याज खरीद कर रही हैं। मंत्री ने कहा, उपभोक्ता और किसान दोनों हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं। सरकार किसानों और उपभोक्ताओं दोनों के हित में फैसले कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री के साथ लगातार संपर्क में है। संवाददाता सम्मेलन में ही मौजूद महाराष्ट्र के कृषि मंत्री धनंजय मुंडे ने कहा, निर्यात शुल्क लगाए जाने के बावजूद किसानों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

केसीआर ने 'जल, धन, रोजगार' के नाम पर तेलंगाना के लोगों को धोखा दिया : प्रकाश जावड़ेकर

हैदराबाद/भाषा। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने पृथक राज्य के लिए चलाए गए आंदोलन के समय 'जल, धन और रोजगार' सुनिश्चित करने का नारा दिया था लेकिन तेलंगाना बनने के बाद उन्होंने राज्य के लोगों को धोखा दिया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री जावड़ेकर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आंदोलन के दौरान तेलंगाना राज्य बनाने का सपना दिखाकर 'नीलू, निधुलु, नियमाकालु' (जल, धन और रोजगार) का नारा दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि यह वास्तव में भ्रष्टाचार, पारिवारिक शासन और तेलंगाना के साथ विश्वासघात बन गया है।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के प्रभारी जावड़ेकर ने कहा कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के कारण 18 लाख एकड़ के वादे के विपरीत केवल एक लाख एकड़ क्षेत्र में ही सिंचाई सुविधाएं प्राप्त हुईं। उन्होंने कहा कि परियोजना के खर्च में भी भारी वृद्धि देखी गई, जबकि जितना पानी देने का वादा किया गया था वह भी पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह लूट के अलावा कुछ नहीं है।

जावड़ेकर ने दावा किया कि गठन के समय तेलंगाना पर लगभग 360 करोड़ रुपए का अधिशेष था, लेकिन सरकारी ऋण और अन्य ऋणों के लिए दी गई गारंटी सहित यह बोझ अब बढ़कर पांच लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह विश्वासघात के अलावा और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि नौकरियों के संबंध में शिक्षकों और प्रोफेसर की कोई भर्ती नहीं हुई है, जबकि तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) द्वारा आयोजित भर्ती परीक्षाओं के प्रश्न पत्र लीक हो गए। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी भत्ता देने का जो वादा किया गया था, उसे लागू नहीं किया गया है।

गिरिराज सिंह ने ग्रामीण विकास, पंचायती राज मंत्रालयों की वार्षिक क्षमता निर्माण योजना जारी की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालयों की वार्षिक क्षमता निर्माण योजना को जारी किया और कहा कि यह सेवा प्रदान करने, कार्यक्रम कार्यान्वयन और मुख्य शासकीय कार्यों के निष्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

केंद्र सरकार ने नौकरशाहों के प्रशिक्षण प्राप्त करते रहने के लिए अप्रैल, 2021 में क्षमता निर्माण आयोग का गठन किया था। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालयों की वार्षिक क्षमता निर्माण योजना का उद्देश्य अधिकारियों को संबंधित क्षमता अर्जित करने के लिहाज से उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने में सक्षम बनाना है। योजना को जारी करने के बाद अपने संबोधन में गिरिराज सिंह ने सरकारी कर्मचारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पर दृष्टिकोण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया।

किसान प्रदर्शन: अंबाला में कई किसानों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। बाढ़ से हुए नुकसान के लिए मुआवजे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के मकसद से चंडीगढ़ की ओर बढ़ रहे कई किसानों को हरियाणा के अंबाला में मंगलवार को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। किसानों को शंभू बॉर्डर पर हिरासत में लेने के बाद बस के जरिए एक पुलिस थाने ले जाया गया।

इससे एक दिन पहले ही कुछ किसान नेताओं को हिरासत में लिए जाने को लेकर पंजाब के संगरूर जिले में सोमवार को किसानों के साथ हुई झड़प में ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचलकर एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम पांच पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रदर्शन के मद्देनजर पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की अंतरराज्यीय सीमाओं पर मंगलवार को सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती और कई स्थानों पर कड़ी जांच के मद्देनजर कई किसान शंभू बॉर्डर पहुंच नहीं सके। चंडीगढ़ में सभी प्रवेश एवं निकास बिंदुओं पर सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं, ताकि किसानों को प्रवेश करने से रोका जा सके।

अंबाला-चंडीगढ़ सड़क मार्ग पर पुलिस ने कई स्थानों पर अवरोधक लगाए हैं और वहां से गुजर रहे वाहनों की तलाशी ली जा रही है। पंजाब के राजपुरा में दंगा-रोधी वाहनों और एक सीसीटीवी वाहन को तैनात किया गया है।

अंबाला में भारतीय किसान यूनियन शहीद भगत सिंह के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत सिंह मोहरी समेत कई किसान नेताओं को सोमवार को हिरासत में लिया गया था।

किसान मजदूर संघर्ष समिति, भारतीय किसान यूनियन (क्रांतिकारी), बीकेयू (एकता आजाद), आजाद किसान समिति, दोआबा, बीकेयू (बेहरामके) और भूमि बचाओ मुहिम सहित 16 किसान संगठनों ने यहां प्रदर्शन करने का आह्वान किया है। किसान नेता पंजाब समेत पूरे उत्तर क्षेत्र में बाढ़ से हुए नुकसान के लिए केंद्र से 50,000 करोड़ रुपए के पैकेज की मांग कर रहे हैं। वे फसल के नुकसान के लिए 50,000 रुपए प्रति एकड़ मुआवजा, क्षतिग्रस्त घर के लिए पांच-पांच लाख रुपए और बाढ़ में मारे गए व्यक्तियों के परिवार के लिए 10- 10 लाख रुपए मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं।

किसानों ने दावा किया था कि उनके कई नेताओं को पंजाब के विभिन्न हिस्सों से सोमवार को हिरासत में लिया गया और कुछ किसानों को उनके प्रस्तावित प्रदर्शनों से पहले हरियाणा के अंबाला और कुरुक्षेत्र में भी हिरासत में लिया गया। किसानों ने अपने नेताओं को हिरासत में लिए जाने के विरोध में अमृतसर और तरनतारन में कुछ टोल प्लाजा की घेराबंदी भी की। गन्ना संघर्ष समिति और भारतीय किसान यूनियन ने सरकार से हिरासत में लिए गए सभी किसान नेताओं को तुरंत रिहा किए जाने की मांग की और कहा कि ऐसा नहीं होने पर एक बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

'विस चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस मप्र में जातिगत जनगणना कराएगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस मध्य प्रदेश में जातिगत जनगणना कराएगी।

साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कुछ लोग संविधान बदलने का प्रयास कर रहे हैं। वह मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सागर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। भाजपा शासित राज्य में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। खरगे ने संविधान निर्माता बी आर आंबेडकर को याद करते हुए कहा, कुछ लोग संविधान बदलने का प्रयास कर रहे हैं। यह संभव नहीं है, क्योंकि देश के 140 करोड़ लोग संविधान की रक्षा करने के समर्थन में हैं।

आंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। खरगे ने चुनाव के दौरान संत रविदास को याद करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना की। संत रविदास को अनुसूचित जाति के लोग पूजनीय मानते हैं। इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने 100 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले संत रविदास के स्मारक-सह-मंदिर की आधारशिला रखी थी। वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक मप्र में दलितों की आबादी 1.13 करोड़ थी। उन्होंने कहा, मोदी जी नौ साल से केंद्र की सत्ता में हैं, जबकि चौहान (मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान) राज्य में पिछले 18 साल से शासन कर रहे हैं। उन्होंने सिर्फ चुनाव के समय रविदास को याद किया। खरगे ने एक खबर का हवाला देते हुए दावा किया कि भाजपा ने दिल्ली में संत रविदास के मंदिर को तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस मध्य प्रदेश में सत्ता में आती है, तो सागर जिले में संत रविदास के नाम पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए उन पर हिंसा प्रभावित मणिपुर के लिए कुछ नहीं करने का आरोप लगाया। खरगे ने कहा कि भाजपा सरकार ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की सिफारिश पर मंजूर किए गए बुंदेलखंड पैकेज को लागू नहीं किया।

उत्तर पूर्व मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में अनुसूचित जाति के लिए छह विधानसभा सीट आरक्षित हैं और भाजपा ने 2018 के विधानसभा चुनावों में उनमें से पांच पर जीत हासिल की थी, जिनके नाम बीना, नारयोली, जतारा, चंदला और हट्टा (विधानसभा सीट) हैं, जबकि कांग्रेस गुन्नौर सीट जीतने में कामयाब रही थी।

बुंदेलखंड में सागर, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह और पन्ना जिले शामिल हैं, जिनमें 26 विधानसभा सीट हैं। पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा ने इनमें से 15 सीट पर जीत हासिल की थी, जबकि कांग्रेस को नौ और सपा और बसपा को एक-एक सीट मिली थी।

लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को हथकरघा, हस्तशिल्प, वस्त्रोद्योग एवं खादी विभाग की पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का लोकार्पण वीडियो कान्फ्रेंसिंग की मदद से करते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन।

संबोधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में मंगलवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आर्थिक सलाहकार परिषद की अध्यक्षता की और अपना संबोधन दिया।

चेन्नई की स्थापना के 384 साल पूरे, मुख्यमंत्री ने फोटो प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की मौजूदा राजधानी चेन्नई के स्थापना के 384 साल मंगलवार को पूरे हो गए। इस अवसर पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने सरकारी स्कूली छात्रों द्वारा लगाई एक फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। उन्होंने हिंदू समूह द्वारा रिपन बिल्डिंग में लगाई एक अन्य फोटो प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया।

चेन्नई को पूर्व में मद्रास के नाम से जाना जाता था। मद्रास दिवस 22 अगस्त 1639 को तटीय शहर की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उस समय ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने नायक शासक दमर्ला चेन्नपा नायक से यह जमीन छीन ली थी और शहर एवं फोर्ट सेंट जॉर्ज की स्थापना की थी।

विरासत प्रेमियों के एक समूह ने 2004 में 'मद्रास दिवस' मनाने की शुरुआत की और तब से हर साल इसे मनाया जा रहा है। राज्य की राजधानी को मद्रास से मौजूदा

नाम चेन्नई 1996 में मिला। मुख्यमंत्री प्रदर्शनी में शामिल हुए जिसमें पुराने चेन्नई और प्राचीन शहर के विभिन्न पहलुओं को प्रदर्शित किया गया है। इस मौके पर उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद भी किया। वृहद चेन्नई नगर निगम ने भी इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया। स्टालिन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, चेन्नई दिवस के दिन द हिंदू द्वारा किए गए तीन उल्लेखनीय काम के उद्घाटन का सम्मान मिला। उन्होंने माइक्रोब्लागिंग साइट 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया, चोलों की महागाथा' में चोल शासन की भव्यता को प्रदर्शित किया गया है, तमिलनाडु केंद्र में' सदियों के तमिल इतिहास, संस्कृति, राजनीति और शासन पर प्रकाश डाला गया है जबकि मद्रास के आसमान में प्रमुख सितारे' में उपलब्धि प्राप्त करने वालों को सम्मान दिया गया है। धन्यवाद एन राम, एन मुरली, एन रवि और उन सभी को जो हिंदू समूह से हैं और द्रविड़ भूमि की विरासत और नायकों का जश्न मना रहे हैं।

चंद्रयान-3 को लेकर इसरो के अनौपचारिक संदेशों ने लोगों का दिल जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 जब चंद्रमा के करीब पहुंच रहा है तो भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से लाखों लोगों को आकर्षित करने के लिए तकनीकी शब्दावली से परे दिलचस्प शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसरो के सोशल मीडिया हैंडल पर सामान्य तौर पर भारत के महत्वाकांक्षी चंद्रयान-3 के बारे में जानकारी देने के लिए तकनीकी शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इस बार 'वेलकम बडी' (स्वागत है दोस्त) और 'थैंक्स फॉर द राइड, मेट' (सवारी के लिए शुक्रिया साथी) जैसे अनौपचारिक वाक्यांश प्रयोग किये गये हैं।

चंद्रयान-3 मिशन के लैंडर ने सोमवार को जब इसके पूर्ववर्ती चंद्रयान-2 मिशन की ऑर्बिटर के साथ संपर्क स्थापित किया तो इसरो के सोशल मीडिया पर डाली गईं पोस्ट ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर द्वारा चंद्रयान-3 के लैंडर मॉड्यूल के स्वागत करने के रूप में 'वेलकम बडी' लिखा गया। इसके साथ एक पोस्ट में लिखा गया कि दोनों के बीच संवाद स्थापित हो गया है। इसे एक्स' पर 34 लाख से अधिक लोगों ने पढ़ा। इससे पहले 17 अगस्त को जब लैंडर मॉड्यूल सफलतापूर्वक अपने प्रणोदन मॉड्यूल से अलग हुआ था तब इसरो ने 'एक्स' पर लिखा, 'थैंक्स फॉर द राइड, मेट'। इसके साथ हाथ हिलाने का एक इमोजी भी था। इसरो चंद्रयान-3 की यात्रा के बारे में लोगों को जानकारी देने वाले पोस्ट लगातार डाल रहा है। चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर बुधवार शाम 6 बजकर 4 मिनट पर लैंडर विक्रम और रोवर प्रज्ञान के उतरने के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम से पहले इसरो ने सोशल मीडिया पोस्ट में रोचक अंदाज में यह संदेश दिया कि यह मॉड्यूल सुगमता से आगे बढ़ रहा है।

इसरो का अगला चंद्र मिशन जापानी अंतरिक्ष एजेंसी के साथ साझेदारी में

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने अगले चंद्र मिशन को संभवत: अपने जापानी समकक्ष के साथ साझेदारी में अंजाम देगा। इसके लिए तेजी से काम किया जा रहा है। 'जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी' (जाक्सा) और इसरो ने अगले 'चंद्र मिशन लूनर पोलर एक्सप्लोरेश मिशन' (लुपेक्स) के लिए साझेदारी की है। जक्सा और इसरो क्रमश: रोवर और लैंडर का विकास कर रहे हैं।

रोवर अपने साथ न केवल इसरो और जाक्सा के उपकरणों को चांद तक ले जाएगा बल्कि अमेरिकी एजेंसी नासा और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के उपकरण भी उसके साथ होंगे। जापान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष नीति पर कैबिनेट समिति के उपाध्यक्ष, जापान की राष्ट्रीय खगोलीय वेधशाला के महानिदेशक साकू त्सुनेता इस महीने के शुरु में बेंगलूरु स्थित इसरो के मुख्यालय आए थे और उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी के प्रमुख सोमनाथ एस. के साथ हुई बैठक में लुपेक्स मिशन की प्रगति पर चर्चा की।

इसरो के एक अधिकारी ने बताया, अन्य मुद्दों सहित लुपेक्स मिशन के लिए छोटे लैंडर के निर्माण पर भी चर्चा की गई। जाक्सा के मुताबिक, लुपेक्स मिशन का लक्ष्य चंद्रमा पर स्थायी गतिविधियों के लिए आधार बनाने के उद्देश्य से उसके अनुकूल ध्रुवीय इलाके की खोज की संभावना का पता लगाना, चंद्रमा की सतह पर मौजूद जल संसाधन की उपलब्धता को लेकर जानकारी हासिल करना और चंद्रमा एवं वाहन (अंतरिक्ष यान) के पहुंचाने और वहां रात भर रहने जैसी ग्रहीय सतह अन्वेषण प्रौद्योगियों का प्रदर्शन करना है।

अंतरिक्ष विभाग के अहमदाबाद स्थित स्वायत्त संस्थान भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) ने लुपेक्स के लिए कई उपकरणों का प्रस्ताव किया है जिनमें प्रमुख रूप से चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्र में हमेशा में छाया में रहने वाली सतह या उपसतह को मापने वाले यंत्र शामिल हैं। इसरो अधिकारी के मुताबिक, लुपेक्स मिशन को 2025 में भेजने की योजना है।

चंद्रयान-3 मिशन के बाद इसरो की कई प्रक्षेपण योजनाएं

बेंगलूरु। चंद्रयान-3 मिशन के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की प्रक्षेपण सूची बेहद लंबी है। आने वाले दिनों में इसरो द्वारा किये जाने वाले प्रक्षेपणों में सूर्य का अध्ययन करने के लिए एक मिशन, जलवायु अवलोकन उपग्रह का प्रक्षेपण, गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम के तहत प्रायोगिक यान और भारत-अमेरिका सिंथेटिक एपर्चर रडार का प्रक्षेपण शामिल है।

इसरो के एक अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा एक्सपोसैट (एक्स-रे पोलारीमीटर उपग्रह) भी प्रक्षेपण के लिए तैयार है जो चरम स्थितियों में चमकदार खगोलीय एक्स-रे स्रोतों की विभिन्न गतिशीलता का अध्ययन करने वाला देश का पहला समर्पित पोलारीमेट्री मिशन है। सूर्य का अध्ययन करने वाली पहली अंतरिक्ष-आधारित भारतीय वेधशाला, आदित्य-एल1, प्रक्षेपण के लिए तैयार हो रही है, इसका प्रक्षेपण संभवतः सितंबर के पहले सप्ताह में किया जाएगा। इसरो अध्यक्ष सोमनाथ एस. के अनुसार, अंतरिक्ष एजेंसी ने एक जलवायु अवलोकन उपग्रह इनसैट-3डीएस के प्रक्षेपण की भी योजना बनाई है। देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम' के सत्यापन के लिए एक परीक्षण वाहन मिशन का प्रक्षेपण भी जल्द होने की उम्मीद है। सोमनाथ ने 15 अगस्त को कहा, (फिर) हमें भारत-अमेरिका निर्मित सिंथेटिक एपर्चर रडार 'निसार' प्रक्षेपित करना है। इसलिए हमारे प्रक्षेपण की सूची लंबी है। सोमनाथ ने कहा था, 'आने वाले दिनों में हम सुरक्षा के लिए भी बड़ी संख्या में उपग्रह बनाने जा रहे हैं।' इसरो अधिकारियों के अनुसार, नासा-इसरो एसएआर (निसार) एक निगरानी उपग्रह है जिसे अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और इसरो द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है।

लैंडर मॉड्यूल के तकनीकी मानक 'असामान्य' पाये जाने पर साफ्ट लैंडिग को टाल सकता है इसरो : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की चंद्रमा की सतह पर बहुप्रतीक्षित सॉफ्ट लैंडिंग' की तैयारियों के बीच लैंडर मॉड्यूल के तकनीकी मानक 'असामान्य' पाये जाने की स्थिति में इसकी लैंडिंग' 27 अगस्त तक के लिए टाली जा सकती है। यह जानकारी एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी।

इसरो ने चंद्रयान-3 अंतरिक्ष यान की 'सॉफ्ट लैंडिंग' 23 अगस्त को भारतीय समयानुसार शाम 06.04 बजे करने की योजना बनाई है। चंद्र मिशन 14 जुलाई को पूर्वाह्न 2.35 बजे श्रीहरिकोटा से प्रक्षेपित किया गया था। इसरो अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक नीलेश देसाई के अनुसार, वैज्ञानिकों का ध्यान चंद्रमा की सतह के ऊपर अंतरिक्ष यान की गति को कम करने पर होगा।

उन्होंने अहमदाबाद में पीटीआई-भाषा को बताया, लैंडर 23 अगस्त को 30 किलोमीटर की ऊंचाई से चंद्रमा की सतह पर उतरने की कोशिश करेगा और उस समय इसकी गति 1.68 किलोमीटर प्रति सेकंड होगी। हमारा ध्यान उस गति को कम करने पर होगा क्योंकि चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल भी इसमें भूमिका होगी।

उन्होंने कहा, यदि हम उस गति को नियंत्रित नहीं करते हैं, तो क्रैश लैंडिंग' की आशंका होगी। यदि 23 अगस्त को (लैंडर मॉड्यूल का) कोई भी तकनीकी मानक असामान्य पाया जाता है, तो हम लैंडिंग को 27 अगस्त तक के लिए स्थगित कर देंगे।

इसरो ने चंद्रयान-3 के लैंडर के चंद्रमा की सतह पर उतरने के तय समय से एक दिन पहले मंगलवार को कहा कि चंद्रयान-3 मिशन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहा है। इसरो ने कहा, मिशन तय कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़ रहा है। प्रणालियों की नियमित जांच की जा रही है।

सुचारू संचालन जारी है। चंद्रयान-3 लैंडर मॉड्यूल की चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग' भारत को उन देशों के विशिष्ट समूह में शामिल कर देगी, जिन्होंने चंद्रमा की सतह तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है - अमेरिका, तत्कालीन सोवियत संघ और चीन।

पीएससी सदस्यों की पोस्टिंग को लेकर राज्यपाल व सरकार आमने-सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि द्वारा तमिलनाडु लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की फाइल लौटाने के बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया है। राज्यपाल ने सवाल किया कि इन पदों पर नियुक्ति के लिए अनुशंसित उम्मीदवारों को कैसे अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने इस पर भी कुछ सवाल पूछे कि क्या सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित दिशानिर्देश पूरे किए गए हैं।

राज्य सरकार ने पूर्व पुलिस महानिदेशक सी. सिलेंद्र बाबू और आठ अन्य सदस्यों के नाम क्रमशः अध्यक्ष और सदस्य के रूप में प्रस्तावित करते हुए एक फ़ाइल राज्यपाल के पास भेजी थी। सिलेंद्र बाबू 30 जून को 61 वर्ष की आयु में सेवा से सेवानिवृत्त हो गए थे। राजभवन ने अध्यक्ष/सदस्य पद के लिए आवेदन मांगने के लिए सार्वजनिक डोमेन में प्रकाशित विज्ञापन का विवरण मांगने वाली फाइल वापस कर दी है। इसने पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या, जांच की प्रक्रिया और उन्मूलन मानदंड की भी मांग की है।

दक्षिण रेलवे का वोकल फॉर लोकल मिशन

ओएसओपी के तहत लाभ कमा रहे हैं विभिन्न कारीगर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिणी रेलवे 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' (ओएसओपी) आउटलेट के माध्यम से 'वोकल फॉर लोकल' मिशन को बढ़ावा देने के साथ ही अपने समर्थन को मजूबत करता है। दक्षिण रेलवे के 160 स्टेशनों पर ओएसओपी स्टॉल उपलब्ध हैं, जिसमें लगभग 940 प्रकार के स्वदेशी/स्थानीय रूप से लोकप्रिय उत्पाद बेचे जाते हैं, जिससे लाभार्थियों को बिक्री से आय 12.03 करोड़ रुपये मिले हैं।

'वोकल फॉर लोकल' अभियान को बढ़ावा देने के अपने समर्पण के हिस्से के रूप में, दक्षिण रेलवे ने आज तक 160 स्टेशनों पर 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' रिटेल आउटलेट स्थापित किए हैं। ये स्टॉल स्थानीय रूप से निर्मित लगभग 940 विभिन्न प्रकार के उत्पादों का प्रदर्शन और बिक्री की पेशकश करते हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों, कुम्हारों और अन्य छोटे पैमाने के व्यापारियों के लिए पूरक आय के रास्ते तैयार होते हैं।

इन लाभार्थियों ने ओएसओपी स्टालों के माध्यम से विभिन्न प्रकार के उत्पादों को सफलतापूर्वक बेचा है, जिससे 12.03 करोड़ रुपये का प्रभावशाली राजस्व प्राप्त हुआ है।

दक्षिण रेलवे में 423 रेलवे स्टेशनों को ओएसओपी स्टॉल स्थापित करने के लिए चिन्हित किया गया है। अभी 160 स्टेशनों पर ओएसपीपी के आउटलेट कार्यरत हैं वहीं वर्ष 2023-24 में 258 स्टेशनों पर यह सेवा उपलब्ध होगी।

दक्षिणी रेलवे में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों में, डॉ. एमजीआर चेन्नई सेंट्रल के कांचीपुरम सिल्क साड़ी ओएसओपी स्टॉल ने 2.05 करोड़. रुपये की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की। मदुरै जंक्शन पर सुंगुडीसाड़ी ओएसओपी स्टॉल ने 81.18 लाख रुपये का राजस्व दर्ज किया, जबकि विल्लुपुरम में सिरुवंताडु सिल्क ओएसओपी स्टॉल ने आज तक 25.01 लाख रुपये कमाए।

इस योजना के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, दुकानों के आवंटन के लिए एक पारदर्शी तंत्र का पालन किया जा रहा है। इच्छुक कारीगरों, बुनकरों और अन्य पात्र व्यक्तियों से रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जाती है।

इस प्रयोजन हेतु स्टेशन स्तर पर गठित समिति द्वारा ड्रा के आधार पर चयन किया जाता है। पात्र पार्टी (लाभार्थी) को आवेदन के साथ जमा किए गए मामूली टोकन शुल्क के भुगतान पर 15 दिनों के लिए स्थानीय/स्वदेशी उत्पाद बेचने के लिए रेलवे स्टेशन पर एक स्टॉल लगाना होगा।

प्रज्ञाननंदा की सफलता का पूरा श्रेय उनकी मां को मिलना चाहिये : पिता रमेश बाबू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय शतरंज के नये सितारे आर प्रज्ञाननंदा बाकू में खेल जा रहे विश्व कप में जब इस खेल में नया इतिहास रच रहे थे तब एक कोने में खड़ी उनकी मां नागलक्ष्मी की आंखों में चमक और चेहरे पर सुकून भरी मुस्कान देखी जा सकती थी। अठारह साल के प्रज्ञाननंदा विश्व कप के फाइनल में पांच बार के चैंपियन मैग्नस कार्लसन का सामना करेंगे। वह दिग्गज विश्वनाथ आनंद के बाद शतरंज विश्व कप के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय है।

टूर्नामेंट के दौरान प्रज्ञाननंदा की मां की मौजूदगी ने पूर्व महान खिलाड़ी गैरी कास्पारोव को अपने खेल के दिनों की याद दिला दी। कास्परोव ने कहा कि जब वह खेलते थे तब उनकी मां भी उनके साथ मौजूद रहती थी और इसने उनके खेल में काफी मदद की। भारतीय खेल जगत में ऐसे कई उदाहरण है जहां बच्चों के करियर को आकार देने में माता-पिता का व्यापक प्रभाव रहा है।

विश्वनाथन आनंद की लगभग साढ़े तीन दशक पुरानी तस्वीर आज भी प्रशंसकों के जेहन में है जिसमें वह 64 खानों के इस खेल को अपनी मां सुशीला के साथ खेल रहे हैं। विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रज्ञाननंदा जब अर्जुन एरिगैसी

को हराकर मीडिया से बातचीत कर रहे तब नागलक्ष्मी चेहरे पर मुस्कान और आत्मसंतुष्टि के साथ अपने बेटे को निहार रही थी। यह तस्वीर जल्दी ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गयी।

प्रज्ञानानंद के पिता रमेश बाबू ने कहा, 'मुझे अपनी पत्नी को श्रेय देना चाहिए, जो टूर्नामेंट में उनके साथ जाती है और उसका पूरा समर्थन करती है। वह (दोनों बच्चों का) बहुत ख्याल रखती है।'

मुश्किल परिस्थितियों में बचाव करने की क्षमता प्रज्ञानानंदा की प्रतिभा की पहचान है : कोच

चेन्नई। राष्ट्रीय कोच ग्रैंडमास्टर एम श्याम सुंदर ने मंगलवार को कहा कि आर प्रज्ञानानंदा का दबाव की स्थिति में सहजता से बचाव करना और अपने प्रतिद्वंद्वी की कमजोरी को तुरंत भांपने की क्षमता एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी की पहचान है।

भारत के प्रज्ञानानंदा फिडे विश्व कप के फाइनल में अब नॉर्वे के सुपर स्टार मैग्नस कार्लसन से भिड़ेंगे। बाकू में मौजूद ग्रैंडमास्टर श्याम सुंदर ने कहा कि प्रज्ञानानंदा के पास ऑलराउंड खेल है। उन्होंने कहा, उनकी सबसे बड़ी ताकतों में से एक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ भी मुश्किल स्थिति में बचाव करने की उनकी क्षमता है। उनकी गणना करने की क्षमता उत्कृष्ट है और वह आत्मविश्वास के साथ बेहतर स्थिति को जीत में बदल सकता है। उनका कहना है कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्रज्ञानानंदा सभी प्रारूप में अच्छा है। कोच ने कहा कि कई युवा खिलाड़ियों के सामने आने और उनके बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं।

संसद और विधानमंडल संवाद व चर्चा के लिए, उपद्रव के लिए नहीं : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि संसद और विधानमंडल संवाद, बहस और विमर्श के लिए होते हैं, न कि उपद्रव के लिए। धनखड़ ने कहा कि संविधान सभा के समक्ष अपेक्षाकृत अधिक जटिल मुद्दे होने के बावजूद वहां कोई व्यवधान नहीं हुआ था, जबकि आज जो स्थिति है, वह 'चिंता और चिंतन' का विषय है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में हर किसी को कानून के दायरे में रहना चाहिए, भले ही वह कितना भी बड़ा व्यक्ति क्यों न हो या कितने भी ऊंचे पद पर क्यों न हो।

उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि भारत की न्यायिक प्रणाली बहुत मजबूत है और हाल ही में कई महत्वपूर्ण एवं निष्पक्ष निर्णय आये हैं, अलबत्ता, ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता कि देश के संस्थानों के प्रति विश्वास डगमगाये। धनखड़ राजस्थान के चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने छात्रों को अनुशासन में रहने, असफलता से न घबराने और राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, राज्यसभा के सभापति के नाते मैं अपनी पीड़ा व्यक्त करता हूं। हमें संविधान देने वाली संविधान सभा ने लगभग तीन वर्ष तक कई बैठकें कीं। संविधान सभा के सामने जो मुद्दे थे, वे मौजूदा मुद्दों की तुलना में कहीं जटिल थे, लेकिन संविधान सभा में उन सबका निराकरण बातचीत से किया गया। उपराष्ट्रपति ने कहा, संविधान सभा में एक भी दिन, एक भी पल कोई व्यवधान नहीं हुआ, उपद्रव करने की बात तो दूर है। उस परिप्रेक्ष्य में आज की हालत 'चिंता और चिंतन' का विषय है...आप सबके लिए मंथन का विषय है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संसद और विधानमंडल संवाद, बहस और विमर्श के लिए होते हैं न कि उपद्रव के लिए। देश की न्यायिक प्रणाली को मजबूत बताते हुए धनखड़ ने कहा कि किसी को भी सड़कों पर उतरकर न्याय मांगने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा, कानून द्वारा निर्धारित न्याय का लाभ उठाए बिना न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने की प्रवृत्ति अराजकता को जन्म देगी। हमारी न्याय व्यवस्था बहुत मजबूत है। हाल के दिनों में निष्पक्षता से महत्वपूर्ण निर्णय दिए गए है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि हमारा विश्वास हमारी संस्थाओं में डिगे। उन्होंने कहा कि कुछ चीजें हैं, जिनमें बदलाव की जरूरत है, लेकिन बदलाव के लिए एक मंच है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत उदीयमान है और इस दशक के अंत तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

उन्होंने छात्रों से यह भी कहा कि वे हर चीज में राष्ट्रहित को सर्वापरि रखें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को असफलता से घबराना नहीं चाहिए और अनुशासित रहना चाहिए। चित्तौड़गढ़ के सैनिक स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने वाले धनखड़ ने अपने स्कूल के दिनों को याद करते हुए कहा कि सैनिक स्कूल में रहना उनका पुनर्जन्म था और उन्होंने जीवन में जो कुछ भी हासिल किया, वह इस स्कूल और यहां के शिक्षकों के कारण संभव हो सका। धनखड़ ने सन 1962 से 1967 तक अपनी शिक्षा सैनिक स्कूल, चित्तौड़गढ़ से प्राप्त की थी। हेलीकॉप्टर से चित्तौड़गढ़ पहुंचने के बाद धनखड़ शास्त्रीनगर में अपने स्कूल टीचर हरपाल सिंह राठी के घर पहुंचे। राठी उन्हें सैनिक स्कूल में रसायनशास्त्र पढ़ाते थे। धनखड़ ने अपने गुरु के चरण छूकर आशीर्वाद लिया।

युवक ने संपत्ति के लिए नाना-नानी की हत्या कर दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान में कोटा जिल के बारां में पुलिस ने 19 वर्षीय एक युवक को संपत्ति की खातिर अपने नाना-नानी की कथित रूप से हत्या करने को लेकर गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान जिले के सिमलिया के निवासी देवेंद्र राठौड़ के रूप की गयी है। रामकल्याण राठौड़ (85) और उनकी पत्नी लातुरीबाई (80) की 17 अगस्त को मंडोला गांव में उनके ही घर में हत्या कर दी गयी और उनके बेटे की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (बारां) राजकुमार चौधरी ने बताया कि तकनीकी और वैज्ञानिक जांच के आधार पर देवेंद्र राठौड़ को गिरफ्तार किया गया।

विकास और सुशासन पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र का आधार होगा : मेघवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री और भाजपा की चुनाव घोषणा पत्र समिति के संयोजक अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि विकास और सुशासन पार्टी के चुनावी घोषणा पत्र का आधार होगा। यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में संकल्प (घोषणा) पत्र समिति की हुयी बैठक से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हमारा संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) विकास और सुशासन (गुड गवर्नेंस) इन दो आधार पर तैयार होगा मेघवाल ने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, 'अशोक गहलोत तुष्टीकरण की राजनीति में विश्वास करते हैं।'

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने पिछले सप्ताह चुनाव प्रबंधन समिति और घोषणा पत्र समिति की घोषणा की थी। इनकी पहली बैठकों की अध्यक्षता यहां भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बीएल संतोष ने की। मेघवाल जहां घोषणापत्र (संकल्प पत्र) समिति के प्रमुख हैं, वहीं पूर्व सांसद नारायण पंचारिया 21 सदस्यीय चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक हैं। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

भाजपा के पक्ष में निर्णायक जनादेश देने का मन बना रही है राजस्थान की जनता : त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने मंगलवार को कहा कि कानून व्यवस्था सहित विभिन्न मुद्दों से त्रस्त राजस्थान की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में निर्णायक जनादेश देने का मन बना ही है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री के 'मिशन-2030' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री का 'दृष्टिकोण धुंधला' है। त्रिवेदी पार्टी की प्रदेश मीडिया विभाग एवं सोशल मीडिया की कार्यशाला को संबोधित करने के लिए यहां थे।

उन्होंने कहा,मुख्यमंत्री जिस विजन की बात कर रहे हैं वह पूरे तरीके से 'बलर्ड' है। कानून व्यवस्था को लेकर राजस्थान की छवि कभी ऐसी नहीं थी जैसी आज हो गयी है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2030 तक राजस्थान को सभी क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के लिए बार-बार विजन-2030 की बात कर रहे हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों के भागीदारों से सुझाव आमंत्रित किए हैं। इसको लेकर मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में एक संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया किया गया जिसमें गहलोत मौजूद थे।

त्रिवेदी ने कानून-व्यवस्था को लेकर भी कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा,यह वो सरकार है जिसने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया पीएफआई जो कि अब प्रतिबंधित संगठन है, उसे प्रतिबंध लगने से एक हफ्ता पहले रैली निकालने की अनुमति दी, पूरे देश में नारे लगाए गए और उदयपुर में दुखद घटना हुई।' पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) ने पिछले साल फरवरी में हिजाब विवाद को लेकर कोटा में रैली निकाली थी, जबकि पिछले साल जून में उदयपुर में एक दर्जी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि जनता त्रस्त है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनादेश देगी। राजस्थान में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं।

उन्होंने कहा,जनता त्रस्त है और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को जनादेश देगी। कांग्रेस के शासन में पस्त कानून व्यवस्था, अपराधियों के बढ़ते हौसले, भ्रस्टाचार, लीक होते पेपर... इन सारी त्रासदियों से त्रस्त राजस्थान की जनता अब निर्णायक रूप से भाजपा के पक्ष में जनादेश देने का मन बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव में कांग्रेस की कोई रणनीति नहीं है और कांग्रेस नेता अपने ही आरोप-प्रत्यारोप से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जिसने राजस्थान में अजीब उदाहरण पेश किए हैं जो किसी अन्य राज्य में नहीं देखे गए। उन्होंने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने चुनावी घोषणापत्र में देशद्रोह कानून को खत्म करने का वादा किया था, लेकिन राजस्थान में सरकार ने अपने ही विधायकों के खिलाफ देशद्रोह कानून का इस्तेमाल किया।

हमने जो कहा वह करके दिखाया : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि वह झूठे वादे नहीं करते हैं और उन्होंने जो कहा है वह करके दिखाया है। गहलोत ने कहा कि उनका 'मिशन 2030' राजस्थान के सभी लोगों के लिए है जो उन सबकी भागीदारी से ही सफल होगा। मुख्यमंत्री राजस्थान की प्रगति को लेकर अपने 'मिशन-2030' की शुरुआत पर यहां बिड़ला ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी 'राजस्थान मिशन-2030' का शुभारंभ किया। उन्होंने मंगलवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में मिशन के उद्घाटन समारोह में कहा कि प्रदेश की प्रगति को 10 गुना गति देने में प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। राज्य सरकार 1 करोड़ लोगों से उनके सपनों के राजस्थान के लिए सलाह और सुझाव लेगी। इन्हीं के आधार पर 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' तैयार कर जारी किया जाएगा। गहलोत ने कहा कि राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है। अब हमें वर्ष 2030 के राजस्थान के सपने को विजन-2030 डॉक्यूमेंट के जरिए साकार करना है। उन्होंने कहा कि इसमें युवाओं की सबसे बड़ी भूमिका रहेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सभी ने मिलकर पिछले पांच साल में राजस्थान की प्रगति को 4 गुना बढ़ाया है। अब इसे वर्ष 2030 तक 10 गुना तक ले जाना है। इसके लिए आम आवाम से आह्वान है कि वे विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए बहुमूल्य सुझाव-विचार साझा करें।

उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में पक्ष-विपक्ष, धर्मगुरुओं, पुलिसकर्मियों, चिकित्सकीय समूहों और आमजन ने जिस तरह मिलकर राजस्थान में देश का सर्वश्रेष्ठ कोविड प्रबंधन किया। अब उसी एकजुटता से मिशन-2030 के लिए प्रदेश की प्रगति को गति देनी होगी। उन्होंने कहा कि विजन-2030 डॉक्यूमेंट प्रदेशवासियों की प्रगति का संकल्प बनेगा।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने वादों और इरादों के जरिए प्रदेशवासियों को जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया है। कुशल वित्तीय प्रबंधन से राज्य की आर्थिक प्रगति को गति दी है, अब इसे तीव्र गति से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट लाने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है। अब राजस्थान एक विकसित राज्य बने, प्रति व्यक्ति आय, हैप्पीनेस इंडेक्स और निवेश अधिक से अधिक बढ़े, यही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कानून बनने के बाद तय सीमा में बने रूल्स : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कानून बनने के बाद सालों तक रूल्स नहीं बनने पर चिंता जाहिर करते हुए बताया कि इसलिए उन्होंने नियम बनाया है कि कानून बनने के बाद तय सीमा के अंदर उसके रूल्स भी बनने चाहिए। उन्होंने राज्यों की विधानसभाओं को भी ऐसा ही करने की सलाह दी है। राजस्थान के उदयपुर में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र के 9वें सम्मेलन के दूसरे और अंतिम दिन समापन कार्यक्रम में बोलते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक बार फिर से सदनों की गिरती गरिमा पर चिंता जताई।

बिरला ने कहा कि आज अधिकतम विधानसभा पेपर लेस हो चुकी है। अधिकतम विधानसभा ने सूचना प्रौद्योगिकी को अपना लिया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार को रोकने में टेक्नोलॉजी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जहां-जहां टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल हुआ, वहां-वहां भ्रष्टाचार कम हुआ है। उन्होंने कहा कि दुनिया की सारी चुनौतियों के समाधान का रास्ता भारत से ही होकर निकलेगा, आज दुनिया के देश भारत के लोकतंत्र से प्रेरणा ले रहे हैं। लेकिन, सदनों की गिरती गरिमा चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि सदनों में नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा करना, व्यवधान उत्पन्न करना संसदीय लोकतंत्र के लिए अच्छा नही है।

बिरला ने कानून को लेकर लोगों की भागीदारी को बढ़ाने की वकालत करते हुए कहा कि संसद और विधान मंडल देश के जिन लोगों के लिए कानून बनाते हैं, उन लोगों को भी कानून की जानकारी नहीं होती। इसलिए इसे बदलने की जरूरत है। बिरला ने बताया कि इस दो दिवसीय सम्मेलन में विधान मंडलों में जनता की सक्रिय भागीदार को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने के साथ ही डिजिटल माध्यम से सुशासन और पारदर्शिता बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने समापन कार्यक्रम में 'राज्यपाल' की संवैधानिक व्यवस्था को सही ठहराते हुए यह भी कहा कि अगर राज्यपाल पद की संवैधानिक व्यवस्था न होती तो चुनी हुई सरकारें (राज्य सरकारें) कई बार मनमानी करने से भी नहीं चूकती हैं। कलराज मिश्र ने आगे कहा कि वे चूंकि संवैधानिक प्रमुख के रूप में राजस्थान के राज्यपाल के पद पर हैं तो उन्होंने यह भी अनुभव किया है कि कई बार राज्य सरकार से जुड़े किसी मुद्दे को राज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेजा जाता है तब यह अपेक्षा की जाती है कि त्वरित उसका अनुमोदन मिल जाए। सामान्य मामलों को छोड़ दें तो किसी बड़े निर्णय पर बहुत सोच-विचारकर कार्य करना होता है।

दीया कुमारी के समर्पित प्रयास रंग लाए, एनटीसीए ने कुंभलगढ़ टाइगर रिजर्व को दी सैद्धांतिक मंजूरी

जयपुर,। वन्यजीव प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है: नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) ने कुंभलगढ़ को टाइगर रिजर्व घोषित करने की सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। इसे एनटीसीए द्वारा 4 अगस्त को मंजूरी मिल गई थी और आज केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने इसे स्वीकृति दे दी है।

केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने आज ट्वीट करके कहा, वन्यजीव संरक्षण की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम राजस्थान में बाघों और जैव विविधता के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का वादा करता है। यह कदम इकोटूरिज्म के माध्यम से क्षेत्र के लोगों के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगा।

राजसमंद सांसद और एनटीसीए की सदस्य, दीया कुमारी ने कहा, आज मेवाड़ के लिए एक ऐतिहासिक दिन है और इस प्रोजेक्ट को हरी झंडी देने के लिए मैं माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव जी का बहुत आभार व्यक्त करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि, अनेक बाधाओं के बावजूद, इस एक प्रोजेक्ट को जमीनी स्तर तक लाने के लिए मैंने अपना पूरा प्रयास किया। मुझे प्रसन्नता है कि केंद्र सरकार ने आज सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है और अब हम उम्मीद कर सकते हैं कि कुंभलगढ़ जल्द ही टाइगर रिजर्व बन जाएगा। मेवाड़ में एक बार फिर से बाघ घूमें, यह ज्यादातर लोगों के लिए एक सपना था और अब हम उस सपने को साकार करने से बस एक कदम दूर हैं।

सड़क हादसे में छह लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार दोपहर एक सड़क हादसे में कम से कम छह लोगों की मौत हो गई जबकि 11 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि महवा-अलवर राजमार्ग पर उकरुंद गांव के पास यह हादसा उस समय हुआ जब एक ट्रक ने सवारियों से भरी जीप को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में जीप को बहुत नुकसान पहुंचा।

पुलिस नियंत्रण कक्ष के अनुसार पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद घायलों को महवा और मंडावर के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि चार घायलों को जयपुर रेफर किया गया है। शवों को महवा के एक अस्पताल में रखा गया है। जयपुर (ग्रामीण) सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने घटना पर दुख जताया है।

नुक्कड़ नाटक के जरिए मतदाताओं को मतदान के लिए किया प्रेरित

जयपुर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जयपुर में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देश पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार कों जवाहर सर्किल पर नुक्कड़ नाटक एवं नृत्य नाटिका के जरिये मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। जिला स्वीप कॉर्डिनेटर डॉ. स्निग्धा शर्मा ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के लिए मतदाता जागरूकता अभियान के तहत 100 विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाकट के जरिये मतदान की अहमियत को आमजन के समक्ष प्रस्तुत किया। वहीं, मैं भारत हूं नृत्य नाटिका का मंचन करके भी उपस्थित दर्शकों को मतदान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में जिला स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. शिल्पा सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती सुनिता यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूदगी ने कलाकारों की हौसलाफजाई की। इस दौरान डॉ. स्निग्धा शर्मा ने मौके पर उपस्थित आमजन एवं अधिकारियों-कर्मचारियों को ना केवल ईवीएम-वीवीपैट के द्वारा मतदान की प्रक्रिया की जानकारी दी साथ ही मतदान की शपथ भी दिलाई।

उप्र की एक राज्यसभा सीट के लिए 15 सितंबर को उपचुनाव

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश से एक वर्तमान राज्यसभा सदस्य के निधन के बाद खाली हुई सीट के लिए उपचुनाव 15 सितंबर को होगा। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद हरद्वार दुबे का 26 जून को निधन हो गया था। राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल नवंबर, 2026 में समाप्त होना था। दुबे ने 26 नवंबर, 2020 को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली थी। निर्वाचन आयोग ने एक बयान में कहा कि इस उप चुनाव के लिए 29 अगस्त को अधिसूचना जारी की जाएगी। स्थापित परंपरा के अनुसार, मतगणना 15 सितंबर को शाम 4 बजे मतदान समाप्त होने के एक घंटे बाद होगी।

सीमा हैदर ने रक्षा बंधन पर मोदी, भागवत, शाह, राजनाथ और योगी को भेजीं राखियां

नोएडा/भाषा। पाकिस्तान की नागरिक सीमा हैदर ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत व अन्य को रक्षा बंधन से पहले राखियां भेजी हैं। इस साल नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुईं सीमा ने कहा कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी राखियां भेजी हैं। रक्षा बंधन 30 अगस्त को मनाया जाएगा।

हैदर का एक कथित वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर आया, जिसमें उन्होंने कहा, मैंने पहले ही ये (राखियां) भेज दी हैं, ताकि वे समय पर मेरे प्रिय भाइयों तक पहुंच जाएं, जिनके कंधों पर इस देश की जिम्मेदारी है। जय श्री राम, जय हिंद। हिंदुस्तान जिंदाबाद। एक और वीडियो में पाकिस्तान के सिंध प्रांत की रहने वाली हैदर (30) अपने बच्चों के साथ राखी पैक करती दिख रही हैं। इस दौरान पार्श्व में भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना गीत बज रहा है। हैदर ग्रेटर नोएडा निवासी अपने प्रेमी सचिन मीणा के साथ रहने के लिए नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं। वह मई में अपने चार बच्चों के साथ आई थीं और गुपचुप तरीके से रबूपुरा इलाके में किराए के मकान में रह रही थीं।

पटनायक ने मलकानगिरि में तीन पुलों के निर्माण के लिए 101 करोड़ रुपए आवंटित किए

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मलकानगिरि जिले के स्वाभिमान अंचल में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए तीन पुलों के निर्माण को लेकर 101 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। इन पुलों के निर्माण से क्षेत्र में 37,000 लोगों को लाभ पहुंचेगा। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि तीन पुलों का निर्माण जिले में आदिवासी बहुल चित्रकोंडा खंड में किया जाएगा। पटनायक ने इससे पहले माओवादियों का गढ़ माने जाने वाले स्वाभिमान अंचल के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन और उत्थान के लिए 'सेतु योजना' शुरू की थी। उन्होंने कहा, पंसपुट और यंत्री ग्राम पंचायत के लोगों के लिए 20 करोड़ रुपए की लागत से यंत्री से ढाकपदर रोड तक खलियागढ़ नहर पर एक पुल का निर्माण किया जाएगा।

अंशकालिक नौकरी दिलाने के नाम पर 3 लाख रुपए की ठगी

नोएडा/भाषा। उप्र के नोएडा के बिसरख थाना क्षेत्र में एक युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि कुछ लोगों ने उससे संपर्क करके पार्ट टाइम नौकरी का लालच दिया और करीब तीन लाख रुपए की ठगी कर ली। थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित प्रदीप कुमार निगम की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। वही अज्ञात साइबर ठगों ने पीड़ित का बैंक लोन का टॉप-अप करवा कर उसके खाते से 4 लाख 1 हजार 387 रुपया निकल लिए। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि जितेंद्र कुमार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात साइबर ठग ने उसके एचडीएफसी बैंक के खाते से 4 लाख 1 हजार 387 रुपया निकल लिया है।

जनता की समस्याओं पर संवेदनशीलता से ध्यान दें अधिकारी : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जनता की समस्याओं को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और ध्यान से सुनें, और उनका त्वरित निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। मुख्यमंत्री और गोरक्षपीठ के महंत योगी ने मंगलवार को सुबह गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनने के बाद अधिकारियों को यह निर्देश दिया। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि मंदिर परिसर के हिंदू सेवाश्रम में आयोजित 'जनता दर्शन' में मुख्यमंत्री ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के लिए निर्देश दिए।

योगी ने कहा कि जरूरतमंदों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए, तथा जिन्हें बीमारियों के इलाज में सरकार से आर्थिक सहायता की आवश्यकता है उन्हें दी जाने वाली राशि के आकलन की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूर्ण किया जाए। साथ ही उन्होंने हर जरूरतमंद का आयुष्मान कार्ड बनवाने संबंधी निर्देश भी दिए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराएगी। राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निपटाने के निर्देश दिए।

ओडिशा : नौकरी का वादा कर लोगों को धोखा देने के मामले में विधायक, अन्य पर आरोप तय

भुवनेश्वर/भाषा। भुवनेश्वर की एक अदालत ने एक प्रतिष्ठित ऑटोमोबाइल कंपनी के नाम पर नौकरी रैकेट चलाने के मामले में गोपालपुर के विधायक प्रदीप पाणिग्रही और दो अन्य के खिलाफ आरोप तय किए हैं। मामला सामने आने के बाद पाणिग्रही को ओडिशा में सत्तारूढ़ बीजद से निष्कासित कर दिया गया था। जिन दो अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं, उनमें भारतीय वन सेना के निलंबित अधिकारी अभय कांत का बेटा आकाश पाठक और वी सरवेश्वर राव शामिल हैं।

पाणिग्रही को ओडिशा के गंजम जिले में ऑटोमोबाइल कंपनी में नौकरी का भरोसा दिलाकर कई लोगों को धोखा देने के आरोप में तीन दिसंबर 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें 'जन विरोधी' गतिविधियों में शामिल होने के लिए उसी साल 29 नवंबर को बीजद से निष्कासित कर दिया गया था। भुवनेश्वर में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की अदालत ने पाणिग्रही और दो अन्य के खिलाफ आरोप तय किए। ओडिशा पुलिस की अपराध शाखा ने एक बयान जारी कर कहा कि तीनों पर प्रतिरूपण, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक साजिश और अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए हैं।

आम आदमी पार्टी के लिए मप्र में होगी गुजरात की चुनावी पराजय की पुनरावृत्ति : विजयवर्गीय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए उन्हें गुजरात में वर्ष 2022 में संपन्न विधानसभा चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी को मिली हार याद दिलाई है।

उन्होंने यह दावा भी किया है कि आम आदमी पार्टी को मध्यप्रदेश में इस साल के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनावों में गुजरात की इस चुनावी पराजय की पुनरावृत्ति झेलनी पड़ेगी।

विजयवर्गीय ने इंदौर में सोमवार रात संवाददाताओं से कहा, केजरीवाल ने तो गुजरात में भी (मतदाताओं से) बड़े-बड़े वादे किए थे, लेकिन मेरा ख्याल है कि वहां 90 प्रतिशत सीटों पर उनकी पार्टी की जमानत जब्त हो गई थी। (आम आदमी पार्टी के लिए) मध्यप्रदेश में भी गुजरात की इस चुनावी स्थिति की पुनरावृत्ति होगी।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला बोलते हुए हाल ही में आरोप लगाया है कि हरियाणा के नूंह की तरह मध्यप्रदेश में भी सांप्रदायिक दंगा कराने की साजिश रची जा रही है।

कैलाश विजयवर्गीय ने पलटवार करते हुए कहा कि सिंह की बातों को अब कोई भी व्यक्ति गंभीरता से नहीं लेता है। भाजपा महासचिव ने कहा कि सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले लोगों को कुचलने में मध्यप्रदेश का शासन-प्रशासन पूरी तरह सक्षम है।

आईपीएल 2023 में उन पांच छक्कों ने मेरा जीवन बदल दिया: रिंकू सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डबलिन/भाषा। रिंकू सिंह ने भले ही अब तक सिर्फ दो अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हों लेकिन आईपीएल 2023 में लगातार पांच छक्के जड़कर कोलकाता नाइट राइडर्स को अंतिम ओवर में जीत दिलाने के बाद वह भारतीय प्रशंसकों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। रिंकू ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम ओवर में लगातार पांच छक्के जड़कर नाइडर्स को अप्रत्याशित जीत दिलाई थी। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा कि उन पांच छक्कों ने उनका जीवन हमेशा के लिए बदल दिया।

भारतीय टीम के अपने साथी रवि बिश्नोई के साथ बातचीत करते हुए रिंकू ने 'बीसीसीआई.टीवी' पर कहा, उन पांच छक्कों ने मेरा जीवन बदल दिया। लोग उस लम्हे के लिए मुझे याद करते हैं। जब वे मेरा नाम लेते हैं और मुझे प्यार देते हैं तो मुझे काफी अच्छा लगता है। रिंकू को आयरलैंड के खिलाफ मौजूदा टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए पहली बार भारतीय टीम में शामिल किया गया। उन्हें अब तक दोनों मैच खेलने का मौका मिला और उन्होंने 180.90 के स्ट्राइक रेट से 38 रन बनाए हैं। अपनी बल्लेबाजी शैली के बारे में बात करते हुए रिंकू ने कहा कि वह हमेशा अंत तक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं और मैच के अंतिम ओवरों में बड़े शॉट लगाने का प्रयास करते हैं।

रिंकू ने कहा, पहले मैच (पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय) में बल्लेबाजी को लेकर मैं काफी रोमांचित था लेकिन कोई समस्या नहीं (कि मैच में बारिश ने खलल डाल दिया)। हम जीत गए।

उन्होंने कहा, मैं हमेशा अंत तक बल्लेबाजी करने की योजना बनाता हूं, जैसा कि मैं आईपीएल में करता हूं। मैं अंतिम दो-तीन ओवर में अपने शॉट खेलता हूं। मेरी योजना धैर्य बनाए रखने की होती है और मैं ऐसा ही कर रहा हूं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए निर्वाचन आयोग की मदद करेंगे सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली/भाषा। महान क्रिकेट खिलाड़ी रहे सचिन तेंदुलकर को चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग (ईसी) के 'नेशनल आइकन' के रूप में नामित किया जाएगा। तेंदुलकर और चुनाव आयोग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। 3 साल के समझौते के तहत तेंदुलकर मतदाताओं में जागरूकता का प्रसार करेंगे। आयोग ने बयान में कहा, यह सहयोग चुनावों, विशेष रूप से 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए युवाओं के बीच तेंदुलकर के अद्वितीय प्रभाव का लाभ उठाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

निर्वाचन आयोग ने इस साझेदारी के माध्यम से मतदान के प्रति शहरी लोगों और युवाओं की उदासीनता संबंधी चुनौतियों से निपटना चाहता है। आयोग मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के मकसद से विभिन्न क्षेत्रों की मशहूर हस्तियों को अपने 'नेशनल आइकन' के रूप में नामित करता रहा है। पिछले साल आयोग ने अभिनेता पंकज त्रिपाठी को 'नेशनल आइकन' के रूप में मान्यता दी थी। इससे पहले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान एमएस धोनी, आमिर खान और मैरी कॉम जैसे दिग्गज चुनाव आयोग के नेशनल आइकन थे।

राहुल की लद्दाख यात्रा कई मायनों में 'भारत जोड़ो यात्रा' की अगली कड़ी : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि राहुल गांधी की लद्दाख यात्रा कई मायनों में 'भारत जोड़ो यात्रा' की अगली कड़ी है।

राहुल गांधी इन दिनों लद्दाख की यात्रा पर हैं। उन्होंने सोमवार देर शाम को लेह के बाजार में लोगों से मुलाकात की। उन्होंने लोगों से मुलाकात की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं और कहा कि 'भारत जोड़ो' हर भारतीय के दिल और दिमाग में गहराई से बसा हुआ है। उन्होंने कहा, लेह की सड़कों पर गूंजता 'भारत माता की जय' का घोष इस एकता का एक मजबूत उदाहरण है। स्नेह और सौहार्द से भरी इस आवाज को कोई ताकत दबा नहीं सकती। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इस साल की शुरुआत में, 24 जनवरी को भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी जम्मू के झज्जर कोटली में लद्दाख के एक प्रतिनिधिमंडल से मिले थे। उस प्रतिनिधिमंडल में शामिल लोग चाहते थे कि राहुल गांधी लद्दाख आएं और चीन के साथ सीमा से जुड़ी चुनौतियों के बारे में लोगों के अनुभवों के साथ-साथ स्थानीय निर्वाचित निकायों के सशक्तिकरण पर उनके विचारों को भी सुनें।

कांग्रेस नेता के अनुसार, राहुल गांधी ने ऐसा करने का वादा किया था। उनकी इस सप्ताह की लद्दाख यात्रा उसी वादे को पूरा करने के लिए है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की यह लद्दाख यात्रा कई मायनों में भारत जोड़ो यात्रा की ही अगली कड़ी है।

भाजपा ने जेयू को 'राष्ट्र विरोधी तत्वों का अड्डा' बताया, विधानसभा से बहिर्गमन किया

कोलकाता/भाषा। भाजपा के विधायकों ने यादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) के छात्र की कथित रूप से रैगिंग और यौन उत्पीड़न के बाद मौत के मामले को लेकर मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा से बहिर्गमन किया। पार्टी ने दावा किया कि विश्वविद्यालय परिसर ' राष्ट्र-विरोधी तत्वों का अड्डा' बन गया है और सिर्फ राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) सच सामने ला सकता है। भाजपा विधायक दल ने छात्र की मौत के मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया था और उसने शिक्षा मंत्री ब्रत्या बासु से जवाब की मांग की।

विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने पूछा, राज्य सरकार ने जेयू में स्थिति को नियंत्रण करने के लिए और जेयू में राष्ट्र-विरोधी तत्वों और मादक पदार्थों का गठजोड़ तोड़ने के लिए क्या कार्रवाई की है? उन्हें जवाब देते हुए बासु ने यादवपुर विश्वविद्यालय में स्थिति के लिए राज्यपाल सीवी आनंद बोस को जिम्मेदार ठहराया जिसके बाद भाजपा के विधायक तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी करने लगे। बाद में मंत्री के साथ असहमति जताते हुए विपक्षी विधायकों ने सदन से बहिर्गमन कर दिया।

जाति आधारित गणना के मामले में जद (यू) चलाएगा पोल खोल अभियान

पटना/भाषा। बिहार में सत्तारूढ़ जद (यू) ने मुख्य विपक्षी दल भाजपा के जाति आधारित गणना के मुद्दे पर बेनकाब हो जाने का दावा करते हुए मंगलवार को पार्टी की पोल खोल के लिए अभियान शुरू करने की घोषणा की। जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन में उक्त घोषणा करते हुए कहा कि यह अभियान तीन चरणों में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा, एक से पांच सितंबर तक, राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में माशाल जूलस या कैंडल मार्च निकाला जाएगा और ऐसे ही मार्च 07 से 12 सितंबर तक सभी प्रखंड मुख्यालय में निकाला जाएगा।

ललन ने कहा, अभियान के अतिम चरण में, 15 से 22 सितंबर तक, पार्टी कार्यकर्ता अपने घरों पर काले झंडे लगाएंगे जो कि जाति के सर्वेक्षण को लेकर भाजपा के चरित्र के विरोध के प्रतीक के रूप में होगा। उन्होंने कहा कि यह बिहार ने एक शुरुआत की हो सकती है, लेकिन केंद्र की अस्वीकृति के बावजूद, एक देश-व्यापी जाति की जनगणना की मांग एक राष्ट्रीय मुद्दा बन गई है।

सरकार विश्वविद्यालयों में कार्यवाहक कुलपति नियुक्त करने के पक्ष में नहीं : ब्रत्य बसु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु ने कहा कि राज्य सरकार विश्वविद्यालयों में कार्यवाहक कुलपति नियुक्ति करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि राजभवन के इस तरह के निर्णय से 'विश्वविद्यालयों में अव्यवस्था की स्थिति' पैदा हो गई है। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा गणित के प्रोफेसर बुद्धदेव साव को यादवपुर विश्वविद्यालय (जेयू) का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किए जाने के तीन दिन बाद शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी आई है।

राज्यपाल पर निशाना साधते हुए शिक्षा मंत्री ने कहा कि राज्य द्वारा संचालित या राज्य से सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति से संबंधित फाइलें राज्यपाल के कार्यालय में ऐसे ही पड़ी हैं। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा गठित खोज समितियों की अनुशंसाओं पर विचार नहीं किया जा रहा है। कुलपतियों की नियुक्तियों से जुड़ी फाइलें यूं ही पड़ी रहती हैं। गेंद को एक दूसरे के पाले में डालने का खेल जारी है। राजभवन की कार्रवाई से विश्वविद्यालयों में अव्यवस्था की स्थिति पैदा हो गई है। यादवपुर विवि के कार्यवाहक कुलपति के रूप में साव की नियुक्ति के बारे में पूछे जाने पर शिक्षा मंत्री ने कहा, हम अंतरिम कुलपति नियुक्त करने के पक्ष में नहीं हैं। हम विभिन्न विश्वविद्यालयों में स्थाई कुलपति की नियुक्ति चाहते हैं। यादवपुर विवि को कथित तौर पर रैगिंग और यौन उत्पीड़न के बाद स्नातक प्रथम वर्ष के एक छात्र की मौत को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। बसु ने विश्वास जताया कि छात्रों के 'अच्छे इरादों' से रैगिंग रोकने में मदद मिलेगी।

महंगाई आसमान छू रही है, सरकार का पूरा ध्यान प्रधानमंत्री की छवि बचाने पर : कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई आसमान छू रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि जनता इस बात को समझ गई है कि सरकार का सारा ध्यान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की छवि बचाने और अपने पूंजीपति मित्रों को फ़ायदा पहुंचाने पर है। रमेश ने महंगाई बढ़ने से संबंधित एक खबर का हवाला देते हुए 'एक्स' (पूर्व का ट्वीटर) पर पोस्ट किया, मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई आसमान छू रही है। सब्ज़ी, आटा, चावल, दाल समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की क़ीमतें लगातार बढ़ रही है। डेढ़ महीने में थाली 28 प्रतिशत महंगी हो गई है। उन्होंने कहा, एक तरफ महंगाई बढ़ रही है, दूसरी तरफ़ किसानों को उनकी उपज के सही दाम नहीं मिल रहे हैं। न्यूनतम समर्थन मूल्य का वादा आज तक पूरा नहीं हुआ। किसान अनाज कम दाम में बेचने को मजबूर होते हैं, लेकिन जैसे ही कृषि उत्पाद पूंजीपतियों के गोदामों में पहुंचते हैं, उनकी क़ीमतें

जब विश्व कप जीतने का प्रयास कर रहे हों तो किसी स्थान के लिए कोई प्रबल दावेदार नहीं होता : गौतम गंभीर

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि भारत को विश्व कप के लिए टीम का चयन मौजूदा फॉर्म और खेल को बदलने वाले प्रभाव के आधार पर करना चाहिए तथा किसी विशिष्ट स्थान के लिए किसी 'प्रबल दावेदार' को तरजीह नहीं देनी चाहिए। पांच अक्टूबर से शुरू हो रहे एकदिवसीय विश्व कप से पहले भारत श्रीलंका में एशिया कप और फिर इसके बाद स्वदेश में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला खेलेगा। आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टीम पर चर्चा करते हुए गंभीर ने 'स्टार स्पोर्ट्स' से कहा, एक बात तो स्पष्ट है जब आप विश्व कप जीतने का प्रयास करते हैं तो किसी स्थान के लिए कोई प्रबल दावेदार नहीं होता। चोट से उबरने वाले लोकेश राहुल और श्रेयस अय्यर को भी एशिया कप की 17 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है जबकि बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा भी टीम का हिस्सा हैं जिन्हें एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पदार्पण का इंतजार है। भारतीय चयनकर्ताओं ने एक बार फिर सूर्यकुमार यादव पर भरोसा जताया है जो अब तक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे हैं। इशान किशन को राहुल के बाद दूसरे विकेटकीपर के रूप में चुना गया है। गंभीर ने कहा, जैसा कि (भारतीय टीम के कप्तान) रोहित शर्मा ने कहा, किसी भी खिलाड़ी की जगह की गारंटी नहीं है।

एशिया कप की टीम से ही विश्व कप के लिए 15 खिलाड़ियों को चुनना चाहिए : गावस्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सुनील गावस्कर एशिया कप के लिए चुनी गई भारतीय टीम पर सवाल उठाने वालों से नाराज हैं और अपने जमाने के इस दिग्गज बल्लेबाज ने कहा कि इन 17 खिलाड़ियों में से ही विश्वकप के लिए 15 सदस्यीय टीम का चयन करना चाहिए। एशिया कप के लिए जिन खिलाड़ियों को नहीं चुना गया उनमें लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल प्रमुख हैं। भारत ने कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा के रूप में तीन स्पिनर टीम में रखे हैं।

कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को टीम से बाहर रखने पर भी सवाल उठाए हैं क्योंकि वह निचले क्रम में उपयोगी बल्लेबाज भी हैं। गावस्कर ने कहा, हां, कुछ खिलाड़ी हैं जो मानेंगे कि वे भाग्यशाली हैं। लेकिन टीम का चयन कर लिया गया है इसलिए अश्विन के बारे में बात न करें। विवाद पैदा करने से बचो। यह हमारी टीम है। उन्होंने आजतक से कहा, अगर आपको यह टीम पसंद नहीं है तो मैच नहीं देखना लेकिन यह कहना बंद करो कि उसे टीम में होना चाहिए था या उसका चयन किया जाना चाहिए था। यह गलत मानसिकता है। केएल राहुल और श्रेयस अय्यर ने चोट से उबरने के बाद टीम में वापसी की है जबकि युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा को भी पहली बार वनडे टीम में लिया गया है। गावस्कर का मानना है कि टीम का चयन निष्पक्ष तरीके से किया गया और उन्हें विश्वास है कि यह टीम एशिया कप और विश्वकप जीत सकती है। उन्होंने कहा,''हां, निश्चित तौर पर (यह टीम विश्वकप जीत सकती है)। आप और किसका चयन करते। मुझे नहीं लगता कि कोई खिलाड़ी यह दावा कर सकता है कि उसके साथ अन्याय हुआ। एशिया कप की 17 सदस्यीय टीम में अनुभवी और फॉर्म में चल रहे खिलाड़ियों को चुना गया है। गावस्कर ने राहुल के चयन को भी सही ठहराया जो मामूली चोट के कारण एशिया कप के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। उन्होंने कहा, यह देखें कि उनकी चोट कैसी है। एशिया कप जीतना महत्वपूर्ण है लेकिन असली लक्ष्य विश्वकप है। इसलिए यदि टीम प्रबंधन केएल राहुल को विश्वकप टीम में चाहता है तो मेरा मानना है कि मामूली चोट के बावजूद उन्हें एशिया कप की टीम में चुनना सही फैसला है।

सुविचार

दिल से ज्यादा महफूज जगह नहीं है दुनिया में, मगर सबसे ज्यादा लोग लापता भी यहीं से होते है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शालीन और सम्मानजनक शब्द

उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा 'लैंगिक रूढ़िवाद से निपटने संबंधी पुस्तिका' को जारी किया जाना न्यायिक निर्णयों में समानता की दिशा में एक बड़ा कदम है। अगर इन शब्दों पर गौर करें तो पता चलता है कि ये वर्षों से प्रचलन में थे। सामाजिक बोलचाल के अलावा न्यायिक कार्यों में भी इनका उल्लेख होता था। कोई शब्द कुछ अक्षरों का समूहभर नहीं होता, उसके पीछे एक इतिहास होता है, जो गहरा अर्थ देता है। कुछ शब्द तो ऐसे हैं, जो उस व्यक्ति पर प्रहार की तरह होते हैं, लेकिन वे प्रचलन में हैं। जब देश की शीर्ष अदालत उन शब्दों को लेकर गंभीरता दिखाती है तो उसका संदेश दूर तक जाता है। इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे बेहतर समाज बनाने में मदद मिलेगी। आज भी समाज में ऐसे कई शब्द प्रचलित हैं, जिन्हें प्रचलन से बाहर करते हुए उनकी जगह सम्मानजनक शब्द प्रयुक्त करने की जरूरत है। आमतौर पर जब उन्हें बोला या लिखा जाता है तो इस बिंदु पर ज्यादा विचार नहीं किया जाता कि ये किसी अन्य व्यक्ति को किस तरह प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, हाल के वर्षों में 'कालाधन' (ब्लैक मनी) शब्द बहुत पढ़ने और सुनने को मिला- 'कालाधन देश से बाहर जा रहा है', 'स्विस बैंकों से उन लोगों की सूची मंगवानी चाहिए, जिन्होंने कालाधन जमा करवाया है', 'कालाधन रखने वालों पर सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए'। सवाल है- प्रकृति के सभी रंगों में से काला रंग भी एक है, क्या उसे किसी बुराई से जोड़कर देखना उचित है? वह भी उस देश में, जिसके राष्ट्रपिता ने रंगभेद के खिलाफ बहुत मजबूती से आवाज उठाई थी! जब ग़लत और अनैतिक तरीके से कमाए गए, बचाए गए धन को काले रंग से जोड़ा जाता है तो वे लोग कैसा महसूस करते होंगे, जिनकी त्वचा का रंग गोरा नहीं है? हमें इस संबंध में और संवेदनशीलता दिखानी होगी। निस्संदेह प्रकृति का हर रंग सुंदर है, लेकिन जब उनमें से किसी एक का बार-बार ग़लत कार्यों के सन्दर्भ में उल्लेख किया जाता है तो उससे इस धारणा को बल मिलता है कि बाकी रंग तो सुंदरता व अच्छाई की गारंटी हैं, बस एक रंग बुरा है! ऐसा नहीं होना चाहिए। अगर किसी बुराई का उल्लेख करना हो तो उसे बिना किसी रंग से जोड़ते हुए उसके लिए समानार्थी शब्दों के प्रयोग पर विचार करना चाहिए।

संस्कृत, हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं के शब्दकोश अत्यंत समृद्ध हैं। उनमें ऐसे शब्द आसानी से मिल सकते हैं। उदाहरण के लिए, अंग्रेज़ी के 'ब्लैक एंड व्हाइट' के लिए 'श्वेत और श्याम' का प्रयोग बहुत सुंदर है। पश्चिमी देशों की अंग्रेज़ी वेबसाइटस पर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से संबंधित समाचारों में 'ब्लैक' शब्द लिखा मिल जाता है। अमेरिका में 'ब्लैक लाइव्स मैटर' अभियान चला था। लोगों ने उसमें जोर-शोर से भाग लिया था। वहीं, हिंदी का 'अश्वेत' शब्द अधिक शालीन लगता है। इसी तरह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर 'विकलांग' के लिए 'दिव्यांग' शब्द प्रचलन में आया और अब इसका प्रयोग होने लगा है। अगर हम साठ और सत्तर के दशक में प्रकाशित हिंदी (कहावतों/मुहावरों के) शब्दकोश देखें, तो उनमें ऐसे शब्द मिल जाएंगे, जिन्हें आज अत्यंत आपत्तिजनक माना जा सकता है, लेकिन तब वे प्रचलन में थे। आम लोग उन्हें बिना कोई संकोच किए बोलते थे। वर्ष 1971 के भारत-पाक युद्ध के एक वीर योद्धा का साक्षात्कार सुनें तो वे उसमें एक ऐसा शब्द बोलते हैं, जिसे आज शालीन नहीं माना जाता, लेकिन उस समय यह सामान्य बोलचाल का हिस्सा था। धीरे-धीरे ऐसे शब्दों को बदलने की जरूरत महसूस हुई और आज हम उनके स्थान पर जो शब्द बोलते हैं, वे बहुत शालीन और सम्मानजनक हैं। ऐसा ही होना चाहिए। इससे पता चलता है कि हम अंदर से कितने संवेदनशील हैं और दूसरों की कितनी परवाह करते हैं। भगवान महावीर, बुद्ध, गुरु नानक देवजी, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद और अनेक संतों ने तो बार-बार कहा है कि हमें अपने शब्दों से भी किसी को कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए। तलवार का घाव भर जाता है, लेकिन शब्दों का घाव बड़ी मुश्किल से भरता है। अगर जाने-अनजाने में ऐसे शब्द प्रचलन में आ जाएं या कालांतर में उनके अर्थ बदलकर ऐसा रूप ले लें, जिनसे भेदभाव को बढ़ावा मिले या जो अशालीन प्रतीत होने लगें तो उन्हें हटा देना ही न्यायसंगत है।

ट्वीटर टॉक

गहलोत सरकार द्वारा बनाए गए जंगलराज में कोई सुरक्षित नहीं हैं। अलवर में कांग्रेस के जिला अध्यक्ष पर जानलेवा हमला प्रदेश की कानून-व्यवस्था की पोल खोल रही है। सत्ता लोलुपता में गहलोत जी ने अपराधियों के लिए राज्य को गिरवी रख दिया है!

-अर्जुनराम मेघवाल

राजस्थान जैसे शांत प्रदेश में प्रतिदिन ऐसी दिल दहला देने वाली अपराधिक घटनाएं देखने को मिल रही हैं, रोकथाम का प्रदेश की कांग्रेस सरकार के पास कोई उपाय नहीं। सत्ता के मद में डूबी कांग्रेस सरकार ने प्रदेश की जनता को अपराध के गहन अंधकार में लाकर छोड़ दिया है।

-सीपी जोशी

दौसा के मंडावर क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना में कई लोगों के असामयिक निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति, शोकाकुल परिजनों को धैर्य और संबल एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

गुणवत्ता की आयु

एक शहर में एक वैद्य रहते थे। उनके जीवन के सात दशक परिवार के दायित्वों में बीते गये। समाज में धनार्जन व प्रतिष्ठा के लिहाज से वे समृद्ध थे। कालांतर उन्हें बोध हुआ कि वे दायित्वों से मुक्त हो गये हैं। उन्हें समाज के लिये कुछ करना चाहिए। वे प्राणपण से लोगों की मदद करने लगे। प्रतिभावानों की मदद करते थे। तभी एक बड़ी महामारी फैली। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डाल लोगों की मदद की। उनकी समाज सेवा की ख्याति दूर-दूर तक फैल गई। एक जिज्ञासु ने उनकी सेवा की प्रतिबद्धता देख पूछा-आपकी आयु कितनी है। वे चेहरे में मुस्कान लाते हुए बोले- 'पांच साल'। बोले 65 साल तो सांसारिक कार्यों में बीत गये। पिछले पांच साल में मैं भगवान व सेवा के महत्व को समझ पाया हूं। इन पांच वर्षों को ही मैं अपनी सार्थक आयु मानता हूं।

सामयिक

कर्नाटक में ऑपरेशन कमल के सामने ऑपरेशन पंजा

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भाजपा जीते बगैर सत्ता हथियाने में माहिर हैं। उसके लिए वह स्पेशल टीम लगाती है; जो 60 प्रतिशत राज्यों में कामयाब रही हैं। 'ऑपरेशन लोटस' भाजपा की उस स्ट्रैटजी के लिए गढ़ा गया शब्द है, जिसमें सीटें पूरी न होने के बावजूद पार्टी सरकार बनाने की कोशिश करती है। पिछले 6 साल के दौरान 7 राज्यों में भाजपा ने ऑपरेशन लोटस चलाया। इसमें से 5 बार भाजपा को सफलता मिली है, जबकि 2 बार मात खानी पड़ी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, गोवा, अरुणाचल में भाजपा पास हुई तो राजस्थान, उत्तराखंड में उसे फेल होना पड़ा था।

अभी ऑपरेशन की सबसे बड़ी हलचल कर्नाटक में चल रही है जहाँ भाजपा ने यह ऑपरेशन कमल शुरू किया था। वर्ष 2017 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा 104 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा नेता बीएस येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री पद की शपथ भी ले ली, लेकिन फ्लोर टेस्ट पास नहीं कर पाए। सरकार गिर गई। इसके बाद कांग्रेस के 80 और जनता दल एस के 37 विधायकों ने मिलकर सरकार बना ली। 2 साल भी पूरे नहीं हुए थे कि पॉलिटिकल क्राइसिस शुरू हो गई। जुलाई 2019 में कांग्रेस के 12 और जेडीएस के 3 विधायक बागी हो गए। कांग्रेस-जेडीएस सरकार के पास 101 सीटें बचीं। वहीं भाजपा की 105 सीटें बरकरार रहीं। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा और वहां से फ्लोर टेस्ट का आदेश दिया गया। सरकार फ्लोर टेस्ट में फेल हो गई और मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने इस्तीफा दे दिया। इस समय 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले कर्नाटक के सियासी गलियारों में 'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा जोरों पर है। कहा जा रहा है कि इस समय कांग्रेस भाजपा और जेडीएस को तोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। कुछ राजनीतिक विशेषज्ञों का ये भी मानना है कि ये 2019 के ऑपरेशन लोटस का बदला है।

कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, पार्टी की रणनीति 'ऑपरेशन पंजा' के तहत 3 से 4 चरणों में भाजपा-जेडीएस विधायकों को तोड़ने की है। एक न्यूज एजेंसी ने कर्नाटक कांग्रेस सूत्रों के हवाले से बताया है कि जल्द ही 15 विपक्षी विधायकों को पार्टी में शामिल किया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, विधायकों से संपर्क किया जा चुका है और उनके पदों को लेकर आगे की चर्चा चल रही है। इस पर मुहर लगते ही विधायकों को कांग्रेस में शामिल कर लिया जाएगा। 'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस बोम्मई ने दावा किया कि कोई भी भाजपा विधायक कांग्रेस में शामिल नहीं होगा। कर्नाटक के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि ऑपरेशन पंजा को ऑपरेशन लोटस की तर्ज पर लागू किया जाएगा। इसके तहत कांग्रेस उन विपक्षी विधायकों को तोड़ने की रणनीति बना रही है जो कभी कांग्रेस में थे। इसके अलावा कांग्रेस की नजर पुराने मैसूरु, बेलगावी, बीदर और तटीय कर्नाटक के मजबूत भाजपा नेताओं पर है।

इन नेताओं को साथ लेकर कांग्रेस 2024 में भाजपा को कड़ी टक्कर देने की रणनीति तैयार कर रही है। कर्नाटक में कांग्रेस ने 2024 में लोकसभा की 20 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल पार्टी के पास सिर्फ एक सीट है। इसलिए कांग्रेस ऑपरेशन पंजा के जरिए राज्य में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश कर रही है। जब राजनीतिक गलियारों में 'ऑपरेशन पंजा' की चर्चा चल रही थी तो भाजपा ने आनन-फ़ानन में बैठक बुलाई। यह बैठक पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा के आवास पर बुलाई गई थी। इस बैठक में भाजपा के दो विधायक शामिल नहीं हुए। विधायक एसटी सोमशेखर और शिवराम हेब्बार बैठक से अनुपस्थित रहे। एक स्थानीय अखबार के अनुसार येडीयुरप्पा ने बैठक के बाद कहा कि

> **कर्नाटक में जेडीएस भले इस बार किंगमेकर की भूमिका में नहीं है, लेकिन उसका नंबर गेम कांग्रेस की चिंता बढ़ाने के लिए काफी है। 2023 के चुनाव में जेडीएस को 13 प्रतिशत वोट मिला था और पार्टी के 19 विधायक जीते थे। 135 सीट जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस को 42 प्रतिशत वोट मिला। इसी तरह 66 सीटें जीतने वाली भाजपा को 36 प्रतिशत वोट मिले। कर्नाटक में चुनाव के बाद से ही भाजपा और जेडीएस गठबंधन की चर्चा चल रही है।**

कुछ विधायक भाजपा छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं, लेकिन हम लगातार उनके संपर्क में हैं। येडीयुरप्पा के घर पर हुई भाजपा की बैठक से नदारद विधायक सोमशेखर ने कहा कि डीके शिवकुमार राजनीतिक गुरु हैं। सोमशेखर के बयान के बाद ऑपरेशन पंजा पर मुहर लग गई। अपने समर्थकों से बात करते हुए सोमशेखर ने कहा- मैं जहां हूं, वहां खुश नहीं हूं। सोमशेखर भाजपा आलाकमान से नाराज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी ने उन नेताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जो इस क्षेत्र में उनके खिलाफ काम कर रहे थे। कर्नाटक की क्षेत्रीय पार्टी जनता दल एस में भी नाराजगी की खबरें आ रही हैं। बताया जा रहा है कि जेडीएस के 10-12 विधायक कांग्रेस के संपर्क में हैं। पार्टी दो तिहाई विधायकों को एक साथ लाने की कोशिश कर रही है। जेडीएस के पास फिलहाल 19 विधायक हैं और अगर 14 विधायक एकजुट हो जाएं तो उन्हें विधायक पद से इस्तीफा नहीं देना पड़ेगा।

135 सीटें जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस को 42 फीसदी वोट मिले। साथ ही 66 सीटें जीतने वाली भाजपा को 36 फीसदी वोट मिले हैं। कर्नाटक में चुनाव के बाद भाजपा और जेडीएस गठबंधन की बातचीत चल रही है। अगर दोनों ने गठबंधन किया तो वोटों का प्रतिशत 50 के करीब पहुंच जाएगा। इसे रोकने के लिए कांग्रेस रणनीति बना रही है। पार्टी पूरे वोट बैंक को बदलने की कोशिश में है। इसके लिए जेडीएस में बड़े विभाजन की जरूरत है। कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन पंजा लोकसभा चुनाव तक जारी रहेगा। कांग्रेस की रणनीति भाजपा और जेडीएस के बीच भ्रम पैदा करने की है। कांग्रेस लगातार कर्नाटक में विपक्ष का नेता नहीं चुने जाने का मुद्दा उठा रही है। मई में चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से भाजपा कर्नाटक में एक विपक्षी नेता का चुनाव नहीं कर पाई हैं।

गौरतलब है कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भाजपा को एकतरफा शिकस्त देने के बाद भी राज्य में कांग्रेस बहुत मजबूत स्थिति में दिखाई दे रही है। साथ ही, पार्टी यहां लगातार भाजपा को कमजोर करने में लगी हुई है। कांग्रेस नेताओं की कोशिश है कि अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव में भाजपा को सूबे से क्लीन स्वीप किया जाए। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार के एक सियासी बयान ने ऑपरेशन पंजा के अटकलों को और अधिक बल दिया। शिवकुमार से जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या वे विधायकों की घर वापसी करा रहे हैं, तो उनका जवाब था- राजनीति में सब कुछ संभव है। शिवकुमार के मुताबिक कांग्रेस कर्नाटक के उन इलाकों पर ज्यादा फोकस कर रही है, जहां 2023 के चुनाव में उसका वोट प्रतिशत काफी कम था। शिवकुमार ने बताया कि पार्टी वोट प्रतिशत बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है। हमारा लक्ष्य लोकसभा में अधिक सीटें जीतने का है।

दरअसल 2023 के चुनाव में कांग्रेस कर्नाटक के कई इलाकों में एकतरफा जीती, लेकिन बेंगलूरु, बीदर और बेलगावी में पार्टी भाजपा से पिछड़ गई। बेंगलूरु (शहर) के 28 में से सिर्फ 12 सीटें जीत पाई। इसी तरह बीदर की 6 में 2 और बेलगावी की 11 में 7 सीटें ही कांग्रेस जीत पाई। कांग्रेस इन्हीं इलाकों से आने वाले भाजपा नेताओं को साध रही है। खासकर बेंगलूरु से आने वाले नेताओं पर। बेंगलूरु में लोकसभा की 4 सीटें हैं और पिछले चुनाव में सिर्फ बेंगलूरु (ग्रामीण) सीट पर कांग्रेस को जीत मिली थी। कांग्रेस को उम्मीद है कि ऑपरेशन पंजा के जरिए बीदर, बेलगावी और बेंगलूरु का सियासी गणित मजबूत हो जाएगा, जिससे 2024 के चुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर दी जा सकती है।

कर्नाटक में जेडीएस भले इस बार किंगमेकर की भूमिका में नहीं है, लेकिन उसका नंबर गेम कांग्रेस की चिंता बढ़ाने के लिए काफी है। 2023 के चुनाव में जेडीएस को 13 प्रतिशत वोट मिला था और पार्टी के 19 विधायक जीते थे। 135 सीट जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस को 42 प्रतिशत वोट मिला। इसी तरह 66 सीटें जीतने वाली भाजपा को 36 प्रतिशत वोट मिले।

कर्नाटक में चुनाव के बाद से ही भाजपा और जेडीएस गठबंधन की चर्चा चल रही है। दोनों का गठबंधन अगर होता है, तो वोट प्रतिशत 50 के करीब पहुंच जाएगा। कांग्रेस इसी को रोकने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी की कोशिश पूरे वोट बैंक को शिफ्ट कराने की है। इसके लिए जेडीएस में बड़ी टूट जरूरी है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक ऑपरेशन पंजा लोकसभा चुनाव तक तो चलेगा के साथ कांग्रेस की रणनीति भाजपा और जेडीएस में भगदड़ की स्थिति पैदा करने की है। पार्टी इसके जरिए यह बताने की कोशिश में है कि भाजपा-जेडीएस अपना घर नहीं संभाल पा रही है। जानकारों के मुताबिक नैरेटिव सेट कर कांग्रेस भाजपा पर मनोवैज्ञानिक बढ़त लेना चाह रही है। चुनाव में इसका बड़ा असर होता है।

नजरिया

सावधान! मानवीय जीवन परमाणु युद्ध के कगार पर

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

आज पूरा वैश्विक परिदृश्य और पृथ्वी परमाणु युद्ध के ज्वालामुखी पर बैठी हुई है। परमाणु संपन्न देशों के तमाम शासक और हुक्मरान अपनी राजनैतिक आकांक्षाएं, मंसूबे और सनक को पूरा करने के लिए एक दूसरे के रक्त के प्यासे बने हुए हैं। परमाणु संपन्न देशों में चीन, रूस और नॉर्थ कोरिया ऐसे देश हैं जिनकी बागडोर सनकी तानाशाह प्रशासकों के हाथों में है और ये देश अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा और सनक के चलते परमाणु हथियार का इस्तेमाल करने से नहीं चूकेंगे। इतिहास गवाह है कि सनकी प्रशासकों से हमेशा मानवता और शांति को युद्ध और हिंसा का खतरा बना रहता आया है। अमेरिका ने द्वितीय विश्व युद्ध में नागासाकी तथा हिरोशिमा में युद्ध की सनक में परमाणु बम से हमला कर लाखों लोगों को मौत के मुंह में भेज दिया था इसके अलावा परमाणु हथियारों के उपयोग से पैदा हुए विकरण से आज भी जापान में बच्चों पर अप्राकृतिक प्रभाव दिखाई देतें है। इधर हम यदि उत्तर कोरिया के सनकी शासक किम योंग की बात करें तो वर्ष 2022 की शुरुआत के बाद से उत्तर कोरिया ने 100 से अधिक हथियारों के परीक्षण किए हैं। विशेष तौर पर कुछ अमेरिकी मुख्य भूमि और उनके खास सामरिक सहयोगी दक्षिण कोरिया और जापान पर हमला करने के लिए डिजाइन की हुई परमाणु मिसाइल भी शामिल हैं। उत्तर कोरिया अमेरिका को लक्ष्य बनाकर क्रूज मिसाइल का प्रक्षेपण भी करता आ रहा है। रूस और यूक्रेन युद्ध के दौरान भारी तबाही का मंजर तो सामने आ ही गया है इसके अलावा यूक्रेन की अमेरिकी तथा नाटो देशों की मदद से नाराज होकर रूस स्पष्ट तौर पर परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की सार्वजनिक धमकी कई बार दे चुका है,उल्लेखनीय है कि रूस यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को जितना जान माल का नुकसान हुआ है उसके बराबर भी रूस में सामरिक हथियारों और सैनिकों की जाने गई हैं।रूस को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था की यूक्रेन इतने दिन तक युद्ध को खींच सकता है। इन परिस्थितियों के परिणाम स्वरूप और वहां के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कभी भी अपनी सनक के चलते परमाणु बमों से हमला भी कर सकता है। चीन और ताइवान विवाद में भी चीन के तानाशाह सी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए और अमेरिका के परोक्ष रूप से ताइवान की मदद के कारण नाराजगी के चलते ताइवान पर कभी भी हमला कर सकता है। स्पष्ट है कि रूस चीन और उत्तर कोरिया तीनों परमाणु संपन्न देश अमेरिका के सबसे बड़े और कट्टर दुश्मन नई परिस्थितियों में बन चुके हैं।

चिंतन

युवा-पीढी रक्षाबंधन की महत्ता को समझे

डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल
मोबाइल-9413179329

भाई-बहन के अटूट बंधन, स्नेह और विश्वास के प्रतीक इस रक्षा बंधन पर्व के उल्लासमय वातावरण में देश के प्रत्येक भाई को अपनी बहन की रक्षा का वचन देने के साथ-साथ देश की महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना व उनकी सुरक्षा का संकल्प भी ग्रहण करना चाहिए। वर्तमान दौर में पाश्चात्य संस्कृति के बढते प्रभाव में फ्रेंडशिप-डे जैसा ट्रेंड युवा पीढी को भ्रमित कर रहा है। युवाओं को संस्कृति के इस पावन व पवित्र रक्षाबंधन पर्व से भाई-बहन के स्नेह की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए। युवा पीढी जिस प्रकार कलाई पर फ्रेंडशिप बेल्ट बांधकर स्वयं को गौरवान्वित समझने लगी है, ऐसे हालात में राखी जैसे पारम्परिक पर्व की पवित्रता धूमिल होती नजर आ रही है। एक समय था जब घर-परिवार ही नहीं बल्कि पास-पड़ौस सहित गली-मौहल्ले की युवतियां व महिलायें अपने आस-पास के युवकों को राखी बांधकर भाई का दर्जा प्रदान करती थी, वहीं युवक भी बहनों से राखी बंधवाकर गौरव की अनुभूति करते थे। लेकिन अब बीते वर्षों में यह परम्परा प्रायः लुप्त हो गई है। अब फ्रेंडशिप-डे जैसे पाश्चात्य दिन युवाओं को बरगला रहे है। देश में महिलाओं एवं युवतियों के प्रति घटते सम्मान व असुरक्षा के इस दौर में रक्षाबंधन जैसे पवित्र पर्व की महत्ता युवा पीढी को समझने की परम आवश्यकता है। प्रत्येक वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को रक्षाबंधन पर्व मनाया जाता है। जिसे लोकजीवन में राखी भी कहा जाता है। भाई बहन के परस्पर स्नेह के प्रतीक इस पर्व से जहां बहन भाई के स्नेह बंधन के साथ सामाजिक संबंध को भी

मजबूती मिलती है। भाई-बहन को आपस में जोड़ने के साथ इस पर्व का सांस्कृतिक, सामाजिक महत्व भी विशिष्टता रखता है। इस पर्व पर बहन द्वारा भाई को राखी बांधकर सुरक्षा का वचन लेने की परम्परा रही है। हिन्दू परम्परा में यह केवल धागा ही नहीं है, बल्कि इस धागे के पीछे छुपा है भाई-बहन के अटूट रिश्ते का अपनापन। भाई की कलाई पर बांधे जाने वाले इस रक्षासूत्र रूपी कच्चे धागों से भाई-बहिन का रिश्ता अटूट बनता है। पवित्रता तथा स्नेह का धारक यह रक्षाबंधन देश के विभिन्न स्थानों में अनेक नामों से भी जाना जाता है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में रक्षाबंधन, श्रावणी के नाम से जाना जाता है, वहीं पश्चिम बंगाल में 'गुरु महापूर्णिमा', दक्षिण भारत में 'नारियल पूर्णिमा' और नेपाल में इसे 'जनेऊ पूर्णिमा' के नाम से भी पहचाना जाता है। भाई व बहिन के इस पारम्परिक रिश्ते की अनेक कहानियां व प्रसंग है। कहते है कि जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे, तो उनके राज्य की बहन-बेटियां उनकी आरती उतारकर कलाई पर राखी बांधा करती थी। उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण कर उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे। इससे बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेज कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। कहते है इस परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया। रक्षाबंधन को लेकर अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंग है, लेकिन सारांश यही है कि यह बहन व भाइयों के प्रेम का प्रतीक पर्व है। जहां बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा का सूत्र बांधती है, वहीं भाई बहन को सुरक्षा का वचन देते हुए बहन को तोहफा प्रदान करता है।

रक्षाबंधन का पर्व सदियों से भारतीय जनमानस में भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रहा है। रक्षा बंधन का संबंध बांधने वाले एक ऐसे धागे से है, जिसमें बहनें अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन की हर प्रस्थिति में भाई के सफल होने तथा उनके निरन्तर प्रगति पथ पर आगे बढने रहने की कामना ईश्वर से करती हैं। इसी प्रकार भाई अपनी बहनों की हर प्रकार की परेशानी में रक्षा करने व सहयोगी होने का वचन देते हैं और बहन की मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प देते है। सही मायने में राखी जैसा पवित्र त्यौहार सदैव प्रासंगिक रहा है। वर्तमान दौर में देश में महिलाओं के प्रति होने वाली घटनाओं के प्रति इस त्यौहार की महत्ता को जोड़कर उनके सम्मान की रक्षा करने का संकल्प प्रत्येक भारतवासी को ग्रहण करना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'आतंकवाद किसी देश सीमा में बंधा नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र ने आतंकी हमलों में जान गंवाने वाले दुनिया भर के लोगों को श्रद्धांजलि दी और लोगों से आतंकवाद के पीड़ितों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया।

संयुक्त राष्ट्र के इस कार्यक्रम में 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के एक पीड़ित करमबीर सिंह कांग ने कहा कि आतंकवाद किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है और संयुक्त राष्ट्र के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस संकट के खात्मे के लिए जोरदार प्रयास करने की आवश्यकता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 अगस्त को 'आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' घोषित किया है। इस दिन समूची दुनिया में आतंकवाद के कारण जान गंवाने वाले लोगों और इसके पीड़ितों को याद किया जाता है और उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। यह दिन वैश्विक एकजुटता के महत्व को रेखांकित करता है, साथ ही यह रेखांकित करता है कि पीड़ितों की कहानियों और अनुभवों को नहीं भुलाया गया है।

इस साल के 'आतंकवाद के पीड़ितों की स्मृति और श्रद्धांजलि के लिए अंतरराष्ट्रीय दिवस' का विषय 'विरासत : आशा की तलाश और एक शांतिपूर्ण भविष्य का निर्माण' है।26 नवंबर 2008 के मुंबई हमले में 166 लोग मारे गए थे, जिसमें 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 60 घंटे से अधिक समय तक मुंबई के कई ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर लोगों को बंधक बनाकर रखा था और उनकी हत्याएं की थीं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय दिवस आतंकवादी हमलों में मारे गए और इसके पीड़ितों के असाधारण कार्य को श्रद्धांजलि देने के लिए है जिन्होंने बदलाव लाने के लिए अपने अनुभवों का उपयोग करने का संकल्प लिया है। उन्होंने लोगों से आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों और इसके पीड़ितों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध होने का आह्वान किया और कहा कि आतंकवाद के कारण जिन लोगों की जान गई तथा जिनकी जिंदगियां बदल गईं उन्हें कभी नहीं भुलाया जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद किया जाए। कांग ने सोमवार को आतंकवाद के पीड़ितों की याद में संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित विशेष ऑनलाइन कार्यक्रम में कहा, आतंकवाद किसी देश की सीमा में बंधा नहीं है। यह कहीं भी, किसी भी वक्त कहर ढा सकता है। संयुक्त राष्ट्र को इन मुद्दों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है जो विश्व भर में हमें प्रभावित करते हैं।

कांग ने कहा, यह महत्वपूर्ण है कि सभी देश सहयोग करें और इस संकट को समाप्त करें। यह आसान नहीं है।

पुरस्कार

केरल के वित्त मंत्री केएन बालगोपाल मंगलवार को तिरुवनंतपुरम में हरिता कर्म सेना की महिला विजेताओं को 10 करोड़ रुपये का प्रथम पुरस्कार मानसून बम्पर वितरित करते हुए।

आजादी के आंदोलन से जुड़ा लंदन का इंडिया क्लब बंद होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/भाषा। आजादी के आंदोलन के दौरान वीके कृष्ण मेनन सहित कई अन्य राष्ट्रवादियों के लिए बैठक के अड्डे के रूप में काम करने वाला लंदन का ऐतिहासिक इंडिया क्लब खुद को बंद किए जाने के खिलाफ वर्षों से जारी कानूनी लड़ाई हार गया है, जिसके चलते उस पर अगले महीने ताला लटक जाएगा। लंदन में स्ट्रैंड मार्ग के बीचोंबीच स्थित इंडिया क्लब के प्रोपराइटर ने कुछ साल पहले इस ऐतिहासिक बैठक स्थल और भोजनालय को ढहाए जाने के खिलाफ लड़ाई जीत ली थी, लेकिन अब इमारत के मालिकों ने इसकी जगह एक आलीशान होटल बनाने के वास्ते उन्हें नोटिस भेजा है।

प्रोपराइटर यादगार मार्कर और उनकी बेटी फिरोजा ने क्लब का अस्तित्व बनाए रखने के अपने संघर्ष के तहत 'सेव इंडिया क्लब' मुहिम शुरू की थी। हालांकि, इमारत के मालिकों से नोटिस मिलने के बाद उन्होंने क्लब को बंद करने की घोषणा की है। यादगार और फिरोजा ने कहा, हम बहुत दुखी मन से इंडिया क्लब को बंद करने की घोषणा करते हैं। इसे 17 सितंबर को आखिरी बार आम लोगों के लिए खोला जाएगा। इंडिया क्लब की जड़ें इंडिया लीग से जुड़ी हुई हैं, जिसने ब्रिटिश हुकूमत से भारत की आजादी के लिए ब्रिटेन में अभियान चलाया। क्लब के संस्थापक सदस्यों में कृष्ण मेनन भी शामिल थे, जो आगे चलकर ब्रिटेन में भारत के पहले उच्चायुक्त बने थे।

उत्तर कोरिया फिर सैन्य जासूसी उपग्रह के प्रक्षेपण की कोशिश कर सकता है : जापान

टोक्या/एपी। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को जापान से कहा कि वह आने वाले दिनों में एक और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। जापानी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह संभवतः एक सैन्य जासूसी उपग्रह को अंतरिक्ष की कक्षा में स्थापित करने का उत्तर कोरिया का दूसरा प्रयास होगा।

इससे पहले, उत्तर कोरिया ने मई के अंत में अंतरिक्ष में जासूसी उपग्रह स्थापित करने का प्रयास किया था। हालांकि, उपग्रह को लेकर अंतरिक्ष की उड़ान भरने वाला उत्तर कोरियाई रॉकेट प्रक्षेपण के कुछ ही देर बाद समुद्र में जा गिरा था। इससे अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित करने की उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की योजनाओं को करारा झटका लगा था। उत्तर कोरिया ने पहले प्रक्षेपण में हुई गलतियों की समीक्षा करने के बाद अंतरिक्ष में सैन्य जासूसी उपग्रह प्रक्षेपित करने का दूसरा प्रयास करने का संकल्प लिया था। जापान के तट रक्षक बल ने कहा कि उत्तर कोरियाई प्राधिकारियों ने उसे 24 से 30 अगस्त के बीच एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना के बारे में सूचित किया है।

जब तक पाक हमारे गले की फांस बना रहेगा, हम दुनिया में अपना उचित स्थान नहीं पा सकेंगे : अय्यर

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व राजनयिक और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने पाकिस्तान के साथ बातचीत की बहाली की पैरवी करते हुए कहा है कि जब तक यह पड़ोसी देश 'हमारे गले की फांस बना रहेगा' तब तक भारत दुनिया में अपना उचित स्थान हासिल नहीं कर सकेगा।

पाकिस्तान के वाणिज्यिक शहर कराची में दिसंबर, 1978 से जनवरी, 1982 तक भारत के महावाणिज्यदूत रहे अय्यर ने अपनी आत्मकथा 'मेमॉयर्स ऑफ ए मेवरिक' में पाकिस्तान में बतौर राजनयिक अपने कार्यकाल को एक पूरा अध्याय समर्पित किया है।

उनकी यह नई पुस्तक सोमवार को बाजार में बिक्री के लिए आई।

'जगरनॉट बुक्स' द्वारा प्रकाशित अपनी इस पुस्तक के संदर्भ में 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में अय्यर ने कहा कि उनके नौकरशाही के करियर का उच्चतम पड़ाव पाकिस्तान में उनकी महावाणिज्यदूत के रूप में था और उन्होंने कराची में अपने तीन वर्षों की राजनयिक सेवा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पाकिस्तान में भारत की 'सबसे बड़ी पूंजी' वहां के लोग हैं जो भारत को दुश्मन देश नहीं मानते।

अय्यर ने बताया, पाकिस्तान में बतौर राजनयिक अपनी तैनाती के पहले 2-3 हफ्तों के भीतर हम एक दिन रात्रिभोज से वापस आ रहे थे, उस समय मेरी पत्नी सुनीत ने मुझसे एक सवाल पूछा कि 'यह एक दुश्मन देश है? यह सवाल कराची में रहने के दौरान मेरे में दिमाग गूंजता रहा।

रैली

कुल्लू में मंगलवार को खरल घाटी के लोगों ने धार्मिक स्थल बिजली महादेव में रोपवे के खिलाफ जिला उपायुक्त कार्यालय के बाहर धरना दिया और रैली निकाली।

फिल्म 'एक परिंदा' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी। म्यूजिक कंपनी वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स ने अपनी आने वाली भोजपुरी फिल्म एक परिंदा का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। 'एक परिंदा' के फर्स्ट लुक में अभिनेता अवधेश मिश्रा, अभिनेत्री माही श्रीवास्तव और रागिनी मिश्रा बहुत ही गंभीर मुद्रा में नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण निर्माता रत्नाकर कुमार कर रहे हैं, वही इसके निर्देशन की कमान खुद अवधेश मिश्रा ने संभाल रखी है। वर्ल्डवाइड चैनल एंड जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत एक परिंदा के निर्माता रत्नाकर कुमार, सह निर्माता निवेदिता कुमार है। वही फिल्म लेखन एवं निर्देशन अवदेश मिश्रा ने किया है। वही फिल्म के मुख्य कलाकारों में अवधेश मिश्रा, माही श्रीवास्तव, रागनी मिश्रा, हर्षित, अनिता रावत, अनिल रस्तोगी, अनूप अरोरा, महेश आचार्य, रिंकू यादव, संतोष पहलवान, विशेष सिंह, योगेश पांडेय, जुबैर शाह, निशा पांडेय, सीमा यादव, प्रिय बिस्वास और चाइल्ड आर्टिस्ट प्रियांशी पायल है। म्यूजिक अमन श्लोक, लिरिक्स प्यारेलाल यादव(कवि जी), साहिल सुल्तानपुरी, सिंगर प्रियंका सिंह, सुगम सिंह, मनोरंजन झा, आस्था लोहार, आर्ट डायरेक्टर सिकंदर विश्वकर्मा, एक्शन दिनेश यादव का है।

रवीना ने सुष्मिता की 'ताली' की जमकर की तारीफ, कहा- 'बात में दम है'

नई दिल्ली/एजेन्सी

सुष्मिता सेन स्टारर वेब सीरीज 'ताली' के एक सीन का जिक्र करते हुए एक्ट्रेस रवीना टंडन ने मंगलवार को प्रशंसा करते हुए कहा, 'बात में दम है बॉस'।

ये सीरीज ट्रांसजेंडर गौरी सावंत की लाइफ पर आधारित है, जिन्होंने अपने समुदाय के हितों के लिए लड़ाई लड़ी ताकि किन्नरों को उनका हक मिले। रवीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक सीन का स्नैपशॉट शेयर किया, जिसमें स्क्रीन पर सुष्मिता दिख रही हैं और उनका डायलॉग फ्लैश हो रहा है, इस देश को ज्यादा पालक मां की जरूरत है

'मोहरा' फेम एक्ट्रेस ने शो की निर्माता अफीफा नाडियाडवाला सईद को बधाई दी और कहा, बधाई हो अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला! बात में दम है बॉस! अफीफा ने रवीना के पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, ''लव यू सो मच'' अर्जुन सिंह बरन और कार्तिक डी निशानदार द्वारा निर्मित और रवि जाधव द्वारा निर्देशित, 'ताली' साहस और बदलाव की कहानी है। यह जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग है। वर्कफ्रंट की बात करें तो रवीना आखिरी बार 'वन फ्राइडे नाइट में नजर आई थीं। उनकी अगली फिल्म 'घुड़चढ़ी' है।

जो लोग ब्लैक कलर पसंद करते हैं उनका दिमाग कलरफुल होता है : काजोल

मुंबई/एजेन्सी। एक्ट्रेस काजोल ने अपने नए मोनोक्रोमैटिक फोटोशूट की पिक्चर्स फोटो-शेयरिंग एप्लिकेशन इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। फोटो में वह लॉन्ग स्लीव्स वाला गाउन पहने नजर आ रही हैं। उन्होंने बालों को खुला छोड़ा हुआ है और नेक चेन से अपने लुक को पूरा किया है। काजोल की ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरों में वह साइड पोज देती नजर आ रही हैं। वह काफी ग्रेसफुल लग रही हैं। उन्होंने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, ''मनोवैज्ञानिक कहते है कि जो लोग ब्लैक कलर पसंद करते हैं उनका दिमाग सबसे रंगीन होता है। इस पर आप क्या कहते है? पोस्ट पर फैंस ने कमेंट सेक्शन पर तारीफों के पुल बांधे। हर कोई काजोल के लुक की तारीफ कर रहा था। वर्क फ्रंट की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार 'लस्ट स्टोरीज़ 2' में 'देवयानी' के रूप में देखा गया था। उन्होंने 'द ट्रायल: प्यार कानून धोखा' में भी अभिनय किया, जो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग एक कानूनी ड्रामा है। उनकी अगली फिल्म 'सरजमीन' और 'दो पत्ती' हैं।

मुझे डायलॉग तब याद आते हैं जब उसमें भावनाएं होती हैं : अनुपम खेर

नई दिल्ली/एजेन्सी

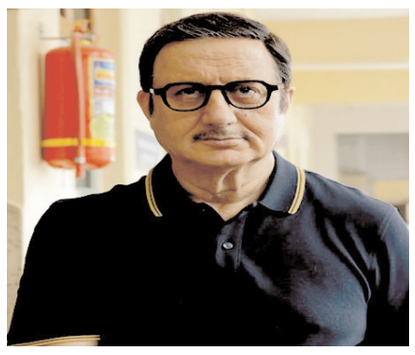

अनुभवी अभिनेता अनुपम खेर, जो दिलचस्प थ्रिलर 'द फ्रीलांसर' में डॉक्टर खान की भूमिका निभा रहे हैं, ने अपनी तैयारी के सबसे मुश्किल हिस्से के बारे में खुलासा किया है। 'द फ्रीलांसर' में कश्मीरा परदेशी के साथ एक्टर मोहित रैना और अनुपम खेर भी लीड रोल में है। अनुपम ने कहा कि मुझे इसमें बहुत सारी लाइन्स और बहुत सारे टेक्निकल एक्सप्रेशन और शब्द सीखने पड़े। नीरज पांडे के डायलॉग्स बहुत ही क्रिस्प और प्वाइंटिड हैं। यह ख़ुशी भी है और कठिन बात भी, क्योंकि इसमें इनोशन्स कम होते हैं। मुझे डायलॉग तब याद आते हैं जब उसमें इमोशन्स शामिल होते हैं। यह कठिन था लेकिन यह फायदेमंद भी था। यह सीरीज शिरीष थोराट की किताब- 'ए टिकट टू सीरिया' पर आधारित है। यह भाव धूलिया द्वारा निर्देशित है, फ्राइडे स्टोरीटेलर्स द्वारा निर्मित है और नीरज पांडे निर्माता और शोरनर हैं। किताब में इस्लामिक स्टेट के घातक अभियानों के बारे में कहानी साझा करने का प्रयास किया गया है कि कैसे आतंकवादी समूह ने एक क्रॉस-कंट्री ऑपरेशन को अंजाम दिया है।

'द फ्रीलांसर' में सुशांत सिंह, जॉन कोककेन, गौरी बालाजी और नवनीत मलिक, मंजिरी फडनिस, सारा जेन डायस सहित अन्य कलाकार हैं। एक्ट्रेस कश्मीरा परदेशी आलिया की भूमिका निभाती नजर आ रही हैं। यह 1 सितंबर को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर प्रसारित होगी।

अभिनेता का काम खुद बोलता है : यामी गौतम

मुंबई/एजेन्सी

'बाला', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'ओह माय गॉड 2' जैसी हिट फिल्मों में काम कर चुकीं एक्ट्रेस यामी गौतम ने कहा कि मैं इस बात पर विश्वास करती हूं कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है। वह इसी प्रकार की स्वीकृति चाहती हैं। यामी की फिल्मोग्राफी में 100 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्में 'बाला', 'उरी : द सर्जिकल स्ट्राइक' और अक्षय कुमार स्टाटर लेटेस्ट फिल्म 'ओह माय गॉड 2' शामिल हैं। एक्ट्रेस ने कहा, ''अपनी फिल्म को दर्शकों से इतना प्यार मिलता देखना सबसे अच्छा एहसास होता है। सारी मेहनत और समर्पण रंग लाती है। इससे बड़ी कोई अनुभूति नहीं है। मैं अपनी फिल्मों को लगातार मिल रहे प्यार और समर्थन के लिए बेहद आभारी हूं।'' ''मैंने हमेशा कहा है कि एक अभिनेता का काम खुद बोलता है, और मैं कई और फिल्मों और बॉक्स ऑफिस की सफलता के लिए इसी तरह की स्वीकृति चाहती हूं। 'ओएमजी 2' भारतीय स्कूलों में यौन शिक्षा के बारे में एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है, जिसे अमित राय ने लिखा और निर्देशित किया है। यह 2012 में रिलीज हुई ओएमजी-ओह माय गॉड का आध्यात्मिक सीक्वल है और इसमें अक्षय कुमार, पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम हैं। यामी ने 'ए थर्सडे' और 'दसवीं' जैसी हिट वेब फिल्मों में भी काम किया है। वह अगली बार 'धूम धाम' में नजर आएंगी।

'गदर-2' के बाद नई फिल्म साइन करने की जल्दबाजी में नहीं हैं सनी देओल

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल इस समय अपनी फिल्म 'गदर 2' की सफलता का जश्न मना रहे हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 11 अगस्त, 2023 को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई। 2001 की फिल्म 'गदर' की अगली कड़ी, यह फिल्म टिकट खिड़की पर अक्षय कुमार की 'ओएमजी 2' से टकराई। 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। इसी बीच सनी के 'बॉर्डर 2' करने की खबरें सुर्खियों में आ गईं। हालांकि अभिनेता कल इस बॉर्डर-2 को लेकर आधिकारिक तौर पर बयान जारी करके कहा था कि बॉर्डर-2 को लेकर जो भी समाचार चल रहे हैं वो सब गलत हैं। अभिनेता अपनी हाल ही में रिलीज़ हुई फिल्म के बाद नई फिल्म साइन करने की जल्दी में नहीं हैं। सनी देओल इस समय अपने फिल्मी करियर के टॉप फॉर्म में हैं। बॉलीवुड अभिनेता 'गदर 2' की रिलीज के साथ सिनेमाघरों में जादू बिखेरने में कामयाब रहे। सनी देओल अपनी कोई भी नई फिल्म साइन करने की जल्दबाजी में नहीं हैं। वह अब अपने बेटे राजवीर देओल की डेब्यू फिल्म 'डोनो' पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सनी को नई फिल्मों के ऑफर मिल रहे हैं। हालांकि, अभिनेता का इरादा 'जवान' रिलीज होने तक कुछ हफ्तों तक 'गदर 2' का प्रचार करने का है। 'गदर 2' तारा सिंह (सनी देयोल) की कहानी है, जो अपने बेटे को बचाने के साहसी प्रयास में सीमा पार जाता है, जिसका किरदार उत्कर्ष शर्मा ने निभाया है, जिसे पाकिस्तान में पकड़ लिया गया है। फिल्म में अमीषा पटेल तारा सिंह की पत्नी सकीना का किरदार निभा रही हैं।

भगवान हनुमान को अपना सुपरहीरो मानती है अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस अदा शर्मा, जो अगली बार एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट में महिला सुपरहीरो की भूमिका निभाती नजर आएंगी, ने अपने पसंदीदा सुपरहीरो के बारे में बात की है। जब अदा से इसके बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा: हनुमाजी की वीरता उनकी विनम्रता, उनकी ताकत और एकनिष्ठ भक्ति, उनके ध्यान, ज्ञान अतुलनीय है! वह उत्कृष्ट संगीतकार थे। वह छोटी मक्खी से लेकर पहाड़ के आकार के सुनहरे शरीर तक कोई भी रूप धारण करने की शक्ति रखते थे।'' एक्ट्रेस ने कहा, ''वह मेरा सुपरहीरो है। अदा हाल ही में रिलीज़ कमांडो सीरीज़ में भावना रेड्डी की भूमिका निभा रही हैं। अदा ने हाल ही में हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए एक वीडियो साझा किया था जो ऑनलाइन वायरल हुआ। इसके अलावा '1920' में उनका सबसे लोकप्रिय सीन, जो उनकी पहली फिल्म थी, में हनुमान चालीसा का पाठ करना था। एक्ट्रेस को 'द केरल स्टोरी' में उनकी भूमिका के लिए सराहना मिली थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में योगिता बिहानी और सोनिया बलानी भी हैं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन क्रोध है, जिसका जन्म अहंकार से होता है। क्रोध में की गई गलती का अंत पश्चाताप पर होता है। जब तक व्यक्ति के मन में शांति है, प्रसन्नता है, क्रोध उस पर हावी नहीं होगा। मुस्कराहट के जाते ही क्रोध उस पर हावी हो जाता है। इसीलिए महापुरुष कहते हैं कि क्रोध की पहली चिंगारी जब आपके अंदर उठे और आपको मर्यादा से बाहर ले जाने का प्रयास करे तब उससे पहले ही उस पर नियंत्रण पाने की कोशिश की जानी चाहिए, अन्यथा क्रोध जब पूरी फौज लेकर आएगा तो उसे रोकना बहुत मुश्किल होगा। वस्तुतः क्रोध एक विकृत मनोवेग है।

परमात्मा का अवतार ही उनकी करुणा का प्रतीक है : पूज्य धीरेन्द शास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वाधान में आयोजित तीसरे दिवस मंगलवार को शिवाभिषेक कमल पंडितजी के मंत्रोच्चारणों के साथ श्री माहेश्वरी भवन परिसर में सुबह हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। दोपहर 3 बजे से श्रीमद भागवत कथा में मुख्य मनोरथी अमिता केशरीमल ,निर्मल, कोमल, विमल धिरण परिवार ने भागवतजी की पूजन व पंडितजी द्वारा मंत्रोच्चार के साथ किया गया। अध्यक्ष जीवनसिंह मोहता ने माल्यार्पण कर महाराजश्री का स्वागत किया, मंत्री बंशीलाल दलाल ने विशेष सहयोगियों को मंचपर आमंत्रण कर महाराजश्री से आशीर्वाद दिलवाया एवं महाराजश्री को अपनी ओजस्वी वाणी से कथा का रसपान कराने के लिए आमंत्रित किया।

महाराजश्री ने कहा कि परमात्मा का अवतार उनकी करुणा का प्रतीक है। वैदिक सनातन धर्म में ही यह वर्णन है कि ईश्वर अपने भक्तों पर कृपा करने बार बार अपने धाम से धरती पर पधारते हैं और विश्व का कल्याण करते हैं। भक्त प्रहलादजी की रक्षा के लिए वे नृसिंह बन कर खम्भे से प्रकट हुए। प्रहलादजी का विश्वास था कि मेरे प्रभु सर्वत्र है और यही विश्वास भक्ति का आधार है। भक्तों ने विश्वास को प्रेम का पिता माना है। इसीलिये तुलसीदास जी कहते हैं 'बिनु विस्वास भगति नहीं।' कथा प्रसंग में आज भगवान के वाराह अवतार, कपिल अवतार एवं भगवान् शिव के पावन चरित्र का भी सुमधुर वर्णन किया गया। कथा प्रसंग के मध्य में प्रभु-नाम संकीर्तन एवं मधुर भजनों ने सभी भक्तों को खूब झुमाया। अन्त में भागवतजी की भव्य आरती उतारी गयी एवं उपाध्यक्ष वल्लभ कांधारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

त्याग और तपस्या से धर्माराधना करें : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम सेन्टर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म. सा. ने मंगलवार को अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर स्वामी के शासन में प्रभु कहते हैं त्यागे उसके आगे, यानी त्याग के आगे देवता भी झुकते हैं। नमस्कार करते हैं और जिन्होंने भोगे को अपनाया वह सुख से भागे संसार के चार गति में अनंत दुख हैं। देवता धर्म नहीं कर सकते क्योंकि वहां सुख में धर्म करने का समय ही नहीं है। इसलिए त्याग और तपस्या नहीं कर सकते। तिर्यंच त्याग तो कर सकते हैं, परंतु को भूख और भय के डर से त्याग नहीं कर पाते हैं। नरक में इतना दुख है कि उनके पास अच्छी सोच सोचने का समय ही नहीं है। परंतु मनुष्य भव ही एक ऐसा है जो त्याग और तपस्या धर्म आराधना कर सकते हैं। इतिहास बना सकते हैं। हिंदुस्तान के ध्वज में पहला कलर केसरी है। वह केसरी कलर त्याग का प्रतीक है। हमें नित्य नये भोजन और तरह-तरह के व्यंजन तो याद आते हैं, परंतु आहार संज्ञा उसे रोगी बना देती है परंतु तपस्या से निरोगी बन सकता है। वह रोग उनके शरीर से नष्ट हो जाते हैं अगर कोई 1 वर्ष में अगर 15 उपवास करता है तो उसके शरीर में जो भी रोक हैं वह नष्ट हो जाता है और शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता आ जाती है इसलिए भगवान ने कहा कि तपस्या आत्मा को ही कुंदन नहीं बनाती है अपितु शरीर को भी कुंदन बना देती है निरोगी बना देती है।

तपस्या करने से पहले अति भोजन नहीं करना चाहिए। गरिष्ठ भोजन नहीं करना चाहिए और रात्रि को भोजन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से तपस्या में अशांति बनी रहती हैं। तप करते समय क्रोध को निकट भी नहीं करना चाहिए। तपस्या करते समय क्रोध अहंकार राग द्वेष रहित तपस्या करेंगे तो आपकी तपस्या में सुख और शांति बनी रहेगी। तपस्या में ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए और जो तपस्या में ब्रह्मचर्य का पूर्ण रूप से मन वचन और काया से जो पालन करता है। वह निकट भव में मोक्ष गामी बन सकता है।

चातुर्मास समिति के उपाध्यक्ष ललैशकुमार कांकरिया ने बताया कि आज की धर्मसभा में सुरेन्द्र मुणोत ने 21 की तपस्या तथा करीब 28 तपस्यार्थियो ने आठ व नौ की तपस्या के प्रत्याखयान लिए तथा भारी संख्या मे श्रद्धालु उपस्थित थे। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

नेमीनाथ भगवान के दीक्षा कल्याणक दिवस पर प्रवचन

आत्मकल्याण के लिए अहंकार और गुस्से का त्याग करो : मुनि मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

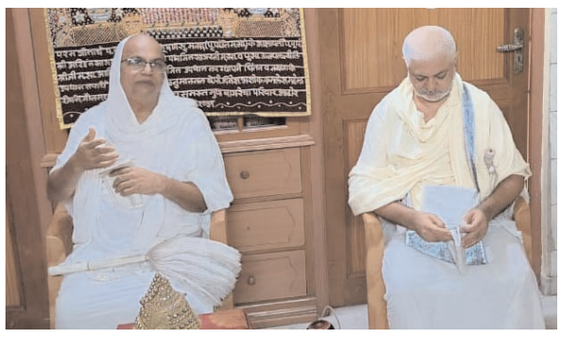

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्यश्री मनीषप्रभसागरजी व मतिषप्रभ सागरजी चातुर्मासार्थ विराजित है। मंगलवार को तीनों संत सकल संघ के साथ फूल मार्केट स्थित वर्धमान ग्रैंड के मुनिसुव्रत मंदिर में भगवान के दर्शन और चैत्य वंदन किया। उसके बाद तपस्वी परमेश्वरीदेवी के निवास स्थान पर पहुंचें और प्रवचन दिया।

गणिवर्य श्री मनीषप्रभसागरजी ने बताया कि भगवान नेमिनाथजी का जन्म सौरीपुर, द्वारका के हरिवंश कुल में श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को चित्रा नक्षत्र में हुआ था। इनकी माता का नाम शिवा देवी और पिता का नाम राजा समुद्रविजय था। इनके शरीर का रंग श्याम जबकि चिह्न शंख था। भगवान नेमिनाथ के यक्ष का नाम गोमेध और यक्षिणी का नाम अम्बिका देवी था। मंगलवार को 22वें तीर्थंकर नेमीनाथ भगवान का जन्म कल्याणक दिवस है। उन्होंने कहा कि अगर आप अपने आत्मा कल्याण करने का उपाय ढूंढते हो तो तप, त्याग के माध्यम से अहंकार और गुस्से का त्याग करो। उन्होंने तपस्या के बाद लोगों को सलाह दी कि आडंबर के बिना, पैसा बचाकर बचा हुए पैसे को साधर्मिक और जीव दया में उपयोग करें। इस मौके पर संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा, सचिव श्यामसुंदर लुनिया, युवक परिषद कप्तान प्रकाश बोथरा, सुपार्श्वनाथ मंदिर के कमेटी सदस्य प्रकाश सिंघवी, पतंजलि योगपीठ तमिलनाडु प्रदेश के मीडिया राज्य प्रभारी किशोर जैन आदि लोग उपस्थित थे। संबंधम रोड स्थित खरतरगच्छ भवन में मानकंवर मंजूदेवी नाहटा न्यास और गौतमचंद ,सुनीलकुमार दीपक नाहटा सुरेंद्र गोलेछा द्वारा स्वामीवात्सल का आयोजन हुआ तथा लाभार्थियों का सम्मान किया गया। दोपहर 3 बजे तपस्वी नीतू टिकचंद लुनावत के निवास स्थान पर नवकार महामंत्र का जाप का आयोजन किया गया।

संगम सत्संग समिति का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संगम सत्संग समिति का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को किलपॉक स्थित प्राइव होटल में हुआ। दीप प्रज्ज्वलन सपत्नीक बसेसरलाल गोकुलका द्वारा किया गया। समिति के संस्थापक एवं संयोजक मदनमोहन रंगा और रमेश मंगल द्वारा समिति के प्रथम अध्यक्ष बसेसरलाल गोकुलका अध्यक्ष पद की शपथ दिलवाई तथा उनका सम्मान किया गया। उसी कड़ी में संस्थापक संयोजक मदनमोहन रंगा व रमेशकुमार मंगल को शपथ दिलवाई गई। बसेसरलाल गोकुलका को अध्यक्ष, पप्पू भाटी व शिवेश हर्ष को उपाध्यक्ष, मोतीलाल थानवी को सचिव, तुलसीदास अग्रवाल को सहसचिव, कैलाश व्यास को कोषाध्यक्ष व बालकिशन शर्मा को सहकोषाध्यक्ष की शपथ दिलवाई गई। सीताराम गोयल, जमुना दास व्यास, सुरेश,अग्रवाल, अनिल मोदी, महेश मोदी, मनोज, नंदकिशोर अग्रवाल, गोपाल अचारज, कुणाल थानवी, पंकज भाटी, श्रीकुमार दाधीच को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। कृष्णा व्यास को महिला समिति का अध्यक्ष, प्रिया शर्मा को उपाध्यक्ष तथा कविता मोदी, मीना सोनी, आरती शर्मा, राजकुमारी अग्रवाल, प्रियंका भाटी, बनीता मोदी, रूपाली अग्रवाल,भावी मंगल को कार्यकारिणी सदस्या बनाया गया। सभी नए पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। समिति के वरिष्ठ सलाहकार समिति के सदस्य जगन गुप्ता का भी सम्मान किया गया।

तत्पश्चात संगम सत्संग समिति के बारे में संक्षिप्त परिचय शिवेश हर्ष द्वारा दिया गया। समिति के अध्यक्ष ने कंर कि समिति के और धर्म के उत्थान के लिए वे तन,मन,धनसे समर्पित रहेंगे। उन्होंने सनातनी सदस्यता का वार्षिक आवेदन पत्र का विमोचन किया। समिति के सचिव ने सभी से धर्म के प्रति आस्था बनाए रखने की मांग की। इस मौके पर श्याम, राजेंद्र गोकुलका, चंद्रप्रकाश मोदी, तिलकराज शर्मा, राजकुमार, भरत अग्रवाल, शंकरलाल आचार्य, गौरव व्यास आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन रमेश मंगल ने दिया।

क्रोध की आग उतनी ही जलाएं, जितना काबू में रख सकें : देवेंद्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी ने श्री सुमतिवल्लभ जैन संघ में प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य का सबसे बड़ा दुश्मन क्रोध है, जिसका जन्म अहंकार से होता है। क्रोध में की गई गलती का अंत पश्चाताप पर होता है। जब तक व्यक्ति के मन में शांति है, प्रसन्नता है, क्रोध उस पर हावी नहीं होगा। मुस्कराहट के जाते ही क्रोध उस पर हावी हो जाता है। इसीलिए महापुरुष कहते हैं कि क्रोध की पहली चिंगारी जब आपके अंदर उठे और आपको मर्यादा से बाहर ले जाने का प्रयास करे तब उससे पहले ही उस पर नियंत्रण पाने की कोशिश की जानी चाहिए, अन्यथा क्रोध जब पूरी फौज लेकर आएगा तो उसे रोकना बहुत मुश्किल होगा। वस्तुत: क्रोध एक विकृत मनोवेग है। यदि आ जाए तो इसे बहाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं शेष बचता। मन में क्रोध आते ही भौंहें तन जाती हैं। जो व्यक्ति क्रोधी स्वभाव वाले होते हैं उनका साथ लोग वैसे ही छोड़ देते हैं, जैसे सूखे पेड़ को छोड़कर पक्षी उड़ जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि क्रोध में व्यक्ति का नुकसान ज्यादा होता है। व्यक्ति की आयु क्षीण होती है, वह धीरे-धीरे अनेक बीमारियों का शिकार हो जाता है क्रोध परिवार, समाज व कई अवसरों पर राष्ट्र के लिए भी घातक सिद्ध होता है। इसलिए क्रोध की आग उतनी ही जलाएं, जितना काबू में रख सकें। यदि क्रोध को भड़काने वाले कारणों से दूर रहें तो क्रोध पर विजय पाई जा सकती है। यदि किसी समय क्रोध आ जाए तो उसके परिणाम पर विचार जरूर करें। क्रोध से बचने के लिए गुरु का सहारा लें। भक्ति और प्रार्थना करें। खुलकर हंसें। आसपास का वातावरण स्वभावत: सुधरने लगेगा। क्रोध की अवस्था ऊर्जा की एक ऐसी अवस्था है, जिसका शमन रूपांतरण से ही संभव है। क्रोध को बलपूर्वक नहीं दबाया जा सकता। विपरीत परिस्थितियों में भी समन्वय स्थापित करने का प्रयास करें। शांत मनोवृत्ति वाले धीर-वीर समर्थ सत्यपुरुष के सामने क्रोधी का क्रोध अधिक समय तक टिक नहीं सकता। ऐसे स्थान पर गिरा हुआ अंगारा, जहां घास न हो, स्वयं ठंडा हो जाता है, क्रोध को क्रोध से नहीं बल्कि शांति से जीता जा सकता है।

हरियाली तीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में यहां रह रहे श्री डूंगरगढ़ परिवार के सदस्यों ने हरियाली तीज पर किया सावन मिलन कार्यक्रम का आयोजन एक होटल में किया। महिलाओं द्वारा मंगलाचरण किया गया। डूंगरगढ़ परिवार की अध्यक्ष ज्योति पुगालिया ने सभी का स्वागत किया। इस दौरान परिवार के बच्चों द्वारा सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मनोरंजक कार्यक्रम में सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक अशोक तातेड़, संतोष सेठिया रहे। संचालन ज्योति पुगलिया और गरिमा पुगलिया ने किया।

क्रोध के समय मौन धारण करना सर्वश्रेष्ठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित कांकरिया गेस्ट हाउस में श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में जयपुर के भगवान महावीर जैन विद्यापीठ के प्राचार्य प्रकाशचंदजी जैन द्वारा व्याख्यान माला में क्षमा की महत्ता बताते हुए कहा कि क्षमा वीरस्य भूषणम अर्थात क्षमा वीरों का आभूषण हैं। कवि श्री रामधारी सिंह दिनकर की कविता का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षमा शोभती उस भुजंग को जो गरल हैं। अपने शब्दों, क्रिया, विचार, चारित्र और आदत इन पांचों पर हमेशा हमारी नजर व ध्यान रहना चाहिए। क्रोधी व्यक्ति को महा चांडाल कहा गया हैं। क्रोध के समय मौन धारण कर लेना सर्वश्रेष्ठ उपाय हैं। क्रोध के माहौल से बचने के लिए छोटे-छोटे नुस्खे हैं कि आप उस स्थान से कुछ समय के लिए हट जाए, जहां क्रोध का माहौल हैं, क्रोधी व्यक्ति उकसाए तो उस समय मुंह में पानी भर ले, तुरन्त प्रत्युत्तर ना दे, प्रतिक्रिया ना करें। लोभी जाने अमर मारी काया, थोड़ा से जीने खातिर क्यों जोड़े माया। हम निर्ग्रन्थ के भक्त हैं, फिर हम भीतर में ग्रंथि क्यों रख रहे हैं। अगर एक वर्ष किसी के प्रति वैर भाव रह गया क्षमा याचना नहीं की तो समकित नहीं रहती, एक वर्ष के अधिक की स्थिति में जैनाचार सुरक्षित नहीं रहता। आचार्य रत्नसुन्दर की पुस्तक कही तो रुको कभी तो रुको में परिग्रह व दान आदि पर सुन्दर उल्लेख हैं। क्रोध माथे पर मान गर्दन पर माया पेट में और लोभ पूरे शरीर में रोम-रोम में व्याप्त रहता हैं। स्वाध्यायी विनोद जैन ने अंतगड सूत्र का मूल व अर्थ सहित वांचन किया।

श्रावक संघ तमिलनाडु के कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने श्रावक संघ तमिलनाडु की ओर से सांवत्सरिक क्षमा याचना की और व्याख्यान माला के व्याख्यात्रा प्राचार्य प्रकाशचंद जैन के स्वाध्यायमय जीवन का परिचय देते हुए उनका सत्कार किया।

'जिससे मोक्ष का सुख मिलता है उसका नाम है दीक्षा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

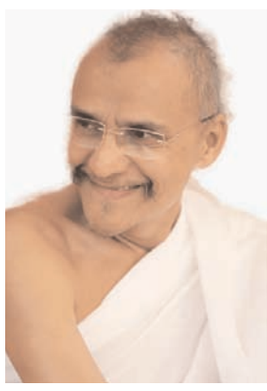

जगत में लोग कृति, आकृति, संस्कृति, प्रकृति अथवा विकृति से जीते हैं। कृति यानी रचनात्मक कार्य द्वारा जीना। संस्कृति यानी जो संस्कृति की रक्षा के लिए जीवन जीते हैं। प्रकृति के तीन प्रकार है पर्यावरण, अपना स्वभाव और प्रजा। तीर्थंकर की आत्मा प्रकृति के आधार पर जीती हैं। पूर्व समय में जीवरक्षा के लिए राज्य को त्याग देते थे परन्तु वर्तमान की स्थिति इससे उलटी है। राज्य के लिए जीवरक्षा की बलि चढ़ा देते हैं। हमें विकृति का जीवन नहीं जीना चाहिए बल्कि प्रकृति का जीवन जीना चाहिए।

चेन्नई। यहां के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित योगनिष्ठ आचार्यश्री केशरसूरीश्वरजी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरीश्वरजी म.सा. ने नेमिनाथ परमात्मा के दीक्षा कल्याणक के अवसर पर परमात्मा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मणि के प्रकाश से ज्यादा तेजस्वी रत्न की होता है। अरिष्टरत्न के सान्निध्य में रहने से हर तरह की मलिनता, दूषण दूर होते हैं, ऐसा अरिष्टरत्न सिवदेवी माता ने नेमकुमार के गर्भ में आने पर देखा था। नेमिनाथ परमात्मा का नाम गुणवाची और रत्नवाची है। नेमिनाथ परमात्मा को चंद्रमा की उपमा दी गई। उन्होंने कहा तीर्थंकरों का नाम गुणों के आधार पर बनता है। गुण व पुण्य के आधार पर वे विश्व का कल्याण करते हैं। नेमिनाथ परमात्मा ने तीन सौ वर्ष की आयु में दीक्षा ग्रहण की। उनका कुल आयुष्य एक हजार वर्ष का था। उनकी दीक्षा एवं केवलज्ञान गिरनार में हुए। उन्होंने कुल सात सौ वर्ष का दीक्षा पर्याय पाला था। उन्होंने कहा दीक्षा तीन तरह की होती है मंत्र दीक्षा, यह प्रथम मात्र नाम से है क्यूंकि यहां मात्र मंत्र श्रवण का विधान ही होता है, जीवन दीक्षा और कल्याणक दीक्षा। मंत्र दीक्षा का वर्णन आगम में कहीं नहीं आया है। 'धर्म संग्रह' ग्रंथ में दीक्षा का मतलब बताया गया है कि जिससे मोक्ष का सुख मिलता है, जिससे अपने पापकर्म धुल जाए, उसका नाम है दीक्षा। नेमीनाथ परमात्मा की दीक्षा का वरघोड़ा एक योजन लंबा हुआ। तीर्थंकर परमात्मा की दीक्षा के पहले एक वर्ष का वर्षीदान होता है। वे सोने की मोहरें, वस्त्र, भोजन, मकान आदि संपत्ति का दान ही नहीं बल्कि संतोष का भी दान करते हैं। परंतु वर्तमान में हमारे पास प्रसाधन ज्यादा है और अनुशासन कम है, हमारी ऐसी स्थिति है। उन्होंने कहा जहां मोह होता है, वहां खेद होता है। औचित्य ऐसा पालना चाहिए कि आगे का जीवन गुणों से भरपूर रहे। छोटी बातों में लेटगो करना सीखो और बड़ी बातों में लेटगोड करो। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा अवश्य करता ही है।

आचार्यश्री ने कहा जगत में लोग कृति, आकृति, संस्कृति, प्रकृति अथवा विकृति से जीते हैं। कृति यानी रचनात्मक कार्य द्वारा जीना। संस्कृति यानी जो संस्कृति की रक्षा के लिए जीवन जीते हैं। प्रकृति के तीन प्रकार है पर्यावरण, अपना स्वभाव और प्रजा। तीर्थंकर की आत्मा प्रकृति के आधार पर जीती हैं। पूर्व समय में जीवरक्षा के लिए राज्य को त्याग देते थे परन्तु वर्तमान की स्थिति इससे उलटी है। राज्य के लिए जीवरक्षा की बलि चढ़ा देते हैं। हमें विकृति का जीवन नहीं जीना चाहिए बल्कि प्रकृति का जीवन जीना चाहिए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.